प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-123 | सांध्य दैनिक | मथुरा, सोमवार, 29 जून 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

नाव हादसे की जांच को पहुंची एनडीएमए की टीम

अधिकारियों से पूछे तीखे सवाल

केशीघाट के पास हुए स्टीमर हादसे की जांच को आए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण टीम के सदस्य और स्थानीय अधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। इसी साल 16 अप्रैल को केशी घाट के निकट हुए भीषण नाव हादसे का संज्ञान लेते हुए केंद्र सरकार के निर्देश पर राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की उच्च स्तरीय टीम सोमवार को केशी घाट पहुंची। टीम ने हादसे के विभिन्न पहलुओं की बारीकी से पड़ताल की। स्थानीय प्रशासन और नगर निगम के अधिकारियों से कई सवाल पूछे।

टीम ने सोमवार सुबह केशी घाट पर पहुंचकर उस स्थान का बारीकी से निरीक्षण किया, जहां नाव पलटी थी। टीम के सदस्यों ने मोटर बोट में बैठकर यमुना का दौरा किया और पानी के बहाव और गहराई को समझा। इस दौरान टीम ने स्थानीय गोताखोरों से भी बातचीत की, जिन्होंने हादसे के वक्त लोगों को बचाने का प्रयास किया था। गोताखोरों से हादसे के समय की वास्तविक स्थिति और प्रशासनिक कमियों के बारे में जानकारी जुटाई गई।

केशी घाट पर निरीक्षण पूरा करने के बाद टीम सीधे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मांट पहुंची। यहां अधिकारियों ने हादसे के बाद अस्पताल लाए गए घायलों के इलाज और मृतकों के शवों के संबंध में जानकारी हासिल की। टीम वृंदावन स्थित सौ शैया अस्पताल भी गई, जहां अन्य घायलों को ले जाया गया था।

टीम के निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त प्रशासन, एडीएम वित्त डॉ पंकज कुमार वर्मा, सीएमओ डा. राधाबल्लभ, एसडीएम दीपिका मेहेर, सीओ ट्रैफिक संदीप कुमार सिंह, तहसीलदार मांट सुशील कुमार गुप्ता, तहसीलदार गोवर्धन बृजेश कुमार सिंह, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, पर्यटन विभाग के निदेशक समेत तमाम अधिकारी- कर्मचारी मौजूद थे।

बड़ी लापरवाही आई सामने

यूनिक समय, वृंदावन। इस प्रारंभिक जांच से साफ है प्रतीत होता है कि स्थानीय प्रशासन और नगर निगम की घोर लापरवाही के कारण इतना बड़ा हादसा हुआ। सुरक्षा नियमों की धज्जियां उड़ाकर प्रतिबंधित क्षेत्र में नावों का संचालन किया जा रहा था, जिसकी कीमत लुधियाना के 16 लोगों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। टीम जल्द ही इस मामले की विस्तृत रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंपेगी, जिसके बाद दोषियों पर गाज गिरना तय माना जा रहा है।

जब क्षेत्र प्रतिबंधित था, तो नाव कैसे आई !

यूनिक समय, वृंदावन। जांच के दौरान एनडीएमए की टीम का कड़ा रुख देखने को मिला। टीम ने मौके पर मौजूद नगर निगम और स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों को घेरते हुए कई गंभीर सवाल दागे, जिनका अधिकारी संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। उन्होंने अधिकारियों से पूछा कि हादसे वाला क्षेत्र नावों के संचालन के लिए पूरी तरह प्रतिबंधित था, तो वहां नाव कैसे पहुंची, स्थानीय प्रशासन ने इसे क्यों नहीं रोका, नाव में उसकी तय क्षमता से अधिक श्रद्धालुओं को क्यों बिठाया गया? ओवरलोडिंग पर नजर रखने वाला कोई क्यों नहीं था। नाव में सवार श्रद्धालुओं के लिए लाइफ जैकेट (सुरक्षा जैकेट) क्यों उपलब्ध नहीं थीं? नावों में आपातकालीन स्थिति के लिए एंकर (लंगर) क्यों नहीं थे, टीम ने पूछा कि यमुना घाट पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए चेतावनी बोर्ड या मानचित्र (मैप) क्यों नहीं लगाए गए थे।

कोसी से कोटवन तक चला प्रशासन का 'डंडा'

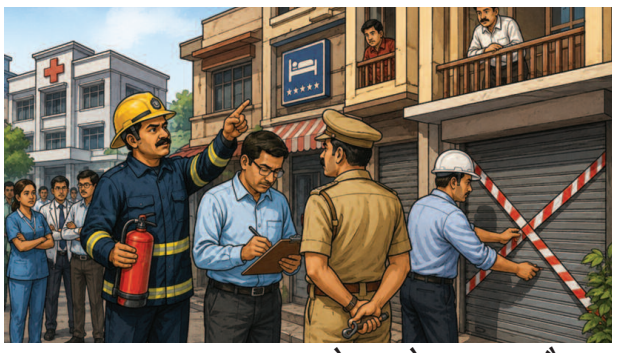

यूनिक समय, मथुरा। लखनऊ और दिल्ली समेत कई शहरों में हुई अग्निकांड की घटनाओं के बाद प्रशासन अलर्ट है। पिछले कई सप्ताह से शहर से लेकर कस्बों तक लगातार अभियान चलाया जा रहा है। सोमवार को यह कार्रवाई कोसीकलां से लेकर कोटवन तक पहुंची, जहां फायर विभाग, एमवीडीए और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने होटल, गेस्ट हाउस और अस्पतालों की सघन जांच की। जांच के दौरान जिन प्रतिष्ठानों में अग्निशमन व्यवस्था और भवन संबंधी जरूरी मानक पूरे नहीं मिले, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। कई प्रतिष्ठानों को सील किया गया। अचानक शुरू हुई इस कार्रवाई से पूरे इलाके में अफरा–तफरी का माहौल बन गया।

प्रशासन की टीम को देखते ही कई होटल और गेस्ट हाउस संचालकों ने शटर गिरा दिए और मौके से निकल गए।

होटल–गेस्ट हाउस और अस्पतालों में मचा हड़कंप

फायर विभाग, एमवीडीए और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

कई प्रतिष्ठान सील, कई संचालक शटर गिराकर भागे

पूरे दिन कार्रवाई को लेकर बाजार और आसपास के क्षेत्रों में चर्चा का माहौल बना रहा। प्रशासन ने साफ कहा है कि लोगों की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। बिना मानकों के चल रहे होटल, गेस्ट हाउस, अस्पताल और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

रिफाइनरी पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो बाइक चोर किए गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना रिफाइनरी पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो बाइक चोरों को चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस को तलाशी में दो चाकू भी बरामद हुए हैं। रिफाइनरी पुलिस राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर बाद रेलवे स्टेशन को जाने वाले रास्ते पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान वहां से गुजरते दो बाइक सवारों को पुलिस ने चेकिंग के लिए रोक लिया। तलाशी करने पर दोनों के पास से एक चोरी की बाइक और दो चाकू बरामद हुए। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों में बाद थाना रिफाइनरी निवासी बींरद्र और रवि हैं।

सब्जी विक्रेताओं से लेकर ज्वैलर्स तक बढ़ेगी सख्ती

गलत तौल पर अब पड़ेगी आर्थिक मार

यूनिक समय, मथुरा। बाजार में तकनीक का समावेश बढ़ रहा है, लेकिन ठेल- फड वाले विक्रेता 19 वीं सदी के तराजू- बांट से ही सामान तोल रहे हैं। नए कांटे- बांट से होने वाली तोल में झोल हो रहा है। सामान वाले पल्ला के नीचे सामान रखकर खाद्य सामग्री को तोला जा रहा है। इससे उपभोक्ता को सामान तो कम मिल ही रहा है, जबकि जेब का वजन भी कम किया जा रहा है।

बाजार में ठेल पर और फड सजाकर सामान बेचने वाले नए कांटों के बजाय पुराने कांटे और बांट से सामान तोल रहे हैं। बांट में मोहर नहीं होने से उपभोक्ता को पूरा सामान भी नहीं मिल पा रहा है, जबकि धनराशि पूरे सामान की वसूली जा रही है।

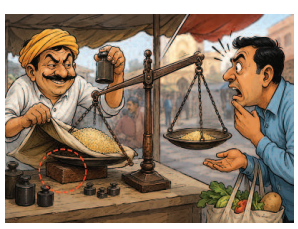

ग्राहक भी बाइक पर खड़े होकर सामान खरीदते हैं, कुछ दुकानदार इसका फायदा उठाकर कम सामान तोल देते हैं। वैसे, शहर के होली गेट, चौक बाजार, कृष्णा नगर, वृंदावन और ग्रामीण मंडियों में बाट–माप विभाग समय–समय पर जांच अभियान चलाता है। अधिकारी उपभोक्ताओं से भी अपील करते हैं कि खरीदारी के दौरान वजन और माप की जांच अवश्य करें, किसी भी गड़बड़ी की शिकायत संबंधित विभाग से करें।

बदलेगा कानून, कम तौल मिलने पर होगा तगड़ा जुर्माना

अब बाजारों में कम तौलकर ग्राहकों को धोखा देना आसान नहीं रहेगा। राजस्थान सरकार की ओर से लीगल मेट्रोलॉजी नियमों में प्रस्तावित सख्त संशोधन ने उत्तर प्रदेश के व्यापारिक हलकों में भी चर्चा तेज कर दी है। व्यापारियों का मानना है कि यदि इसी तरह के नियम अन्य राज्यों में भी लागू हुए तो बाजार व्यवस्था अधिक पारदर्शी होगी और उपभोक्ताओं का भरोसा मजबूत होगा।

प्रस्तावित नियमों के अनुसार, रेहड़ों–ठेला संचालकों, सब्जी–फल विक्रेताओं, किराना दुकानों, मिठाई की दुकानों, होटल–रेस्टोरेंट, ज्वैलर्स, पेट्रोल पंप, सुपरमार्केट और बड़ी कंपनियों तक सभी को निर्धारित मानकों के अनुसार तौल–माप करना होगा। बार–बार अनियमितता मिलने पर दो लाख से पांच लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है। गलत वजन वाले कांटे–बांट, बिना सत्यापन वाले उपकरण, गलत माप इकाई में बिक्री और रिकॉर्ड नहीं रखने पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे सख्त नियम लागू होने से ईमानदार व्यापारियों को बढ़ावा मिलेगा और उपभोक्ताओं के हितों की बेहतर सुरक्षा हो सकेगी।

41 डिग्री की भीषण गर्मी में वाहन संभालने में तप रहे ट्रैफिककर्मी

भीषण गर्मी में यातायात व्यवस्था संभालते ट्रैफिककर्मी।

हाइवे, मंडी और गोवर्धन चौराहा पर यातायात संभालना हुआ कठिन काम

शहर के एक भी चौराहे पर नहीं है यातायात बूथ, छांव का अभाव

यूनिक समय, मथुरा। भाष्कर का अपूर्व तेज और उमस में सिर से टपकते पसीने के बीच शहर के चौराहों के अलावा हाइवे के तीन चौराहों पर यातायात संभालना मुश्किल भरा काम है, लेकिन यातायात कर्मी इस काम को अंजाम दे रहे हैं। धुल और धुआं की परवाह किए सफेद शर्ट, नीली पेंट में सजग यातायातकर्मी इस दायित्व को बखूबी निभा रहे हैं। सुबह से देर रात तक वाहनों को अपने इशारे पर चलाने वाले ऐसे यातायात कर्मी बिना बूथ अपने दायित्व को अंजाम देने में जुटे हैं। शहर में वैसे तो कई चौराहे हैं, लेकिन इनमें मंडी, गोवर्धन और जयगुरुदेव चौराहा के अलावा हाइवे थाने वाला चौराहा सबसे प्रमुख हैं, इन चौराहों से सर्वाधिक यातायात पास होता है, जबकि इन स्थानों पर ही प्रतिदिन जाम की समस्या बनी रहती है। सुबह से लेकर देर रात तक यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने की जिम्मेदारी यातायात कर्मियों के कंधों पर होती है। वर्तमान में अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के आसपास है। ऐसे में कड़ी धूप और भीषण गर्मी के बीच यातायात कर्मी शहर को जाम से राहत दिलाने के लिए लगातार ड्यूटी कर रहे हैं। हालांकि, यातायातकर्मियों की सुविधा के लिए शहर में एक भी ट्रैफिक बूथ नहीं है।

चिलचिलाती धूप और प्रचंड गर्मी से बचने के लिए लोग एसी, कूलर और पंखों का सहारा ले रहे हैं। कुछ देर के लिए बाहर निकलने वाले लोगों का भी कहना है कि ऐसा लग रहा है मानो पूरा शरीर झुलस जाएगा। वहीं दूसरी ओर यातायात कर्मी इस प्रतिकूल मौसम में भी पूरी निष्ठा से अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। शहर में जाम न लगे, एंबुलेंस समय से अस्पताल पहुंच सके और आमजन को परेशानी न हो, इसके लिए वे आग बरसाती धूप में भी डटे रहते हैं।

पर्व और त्योहारों में बढ़ जाती है चुनौती

पर्व–त्योहारों और प्रमुख स्नान पर्वों के दौरान यातायात कर्मियों की चुनौती और बढ़ जाती है। शहर की रफ्तार थमे नहीं, इसके लिए प्रशासन यातायात कर्मियों पर ही निर्भर रहता है। इसके अलावा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं, सार्वजनिक कार्यक्रमों और वीआईपी मूवमेंट के दौरान भी यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने की जिम्मेदारी इन्हीं के कंधों पर होती है।

लोगों की राय

गर्मी से बचने के लिए आम आदमी उपाय कर रहा है, लेकिन यातायात कर्मियों के लिए ट्रैफिक बूथ नहीं होना अमानवीय है। सभी प्रमुख चौराहों- तिराहों पर बूथ होना चाहिए।

—जगदीश पाल

शहर की यातायात व्यवस्था को पटरी पर रखने में यातायात कर्मियों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। ऐसे में उनकी सुविधाओं का भी ध्यान रखा जाना चाहिए।

—विवेक तिवारी।

देसी गाय पर अनुदान महिलाएं भी चलाएंगी डेयरी

मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना में मिलेगा 11.80 लाख रुपये का अनुदान

लागत की 15 प्रतिशत धनराशि लगानी होगी लाभार्थी को, बाकी व्यवस्था ऋण से

यूनिक समय, मथुरा। राज्य सरकार देसी गायों के संरक्षण को लेकर लगातार प्रयासरत है। अब देसी गायों के संरक्षण और संवर्द्धन के लिए नंद बाबा दुग्ध मिशन के अंतर्गत मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना शुरू की गई है। इसके तहत देसी गायों की डेयरी खोलने पर 11.80 लाख रुपये का अनुदान मिलेगा। इसमें इस बार महिला को बराबरी का हिस्सा दिया गया है।

नंदिनी कृषक समृद्धि योजना की कुल लागत 23.60 लाख रुपये हैं। इसमें से 50 प्रतिशत अनुदान के रूप में लाभार्थी को 11.80 लाख रुपये मिलेगा। अनुदान की राशि दो किस्तों में जारी की जाएगी, जबकि कुल लागत की 15 प्रतिशत धनराशि लाभार्थी को खुद लगानी होगी। 35 प्रतिशत बैंक से लोन मिलेगा। योजना के तहत लाभार्थी को 10 स्वदेशी नस्ल की गायों की डेयरी शुरू करनी होगी। इसमें गिर, साहिवाल, थारपारक नस्ल की गायें होनी चाहिए। जिले में छह लोगों को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है।

योजना का लाभ पाने के लिए विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करने के साथ ही हार्डकॉपी जमा करना अनिवार्य है। अंतिम तिथि 11 जुलाई निर्धारित की गई है। शर्त यह है कि गायों की खरीदारी प्रदेश के बाहर से करनी होगी। संबंधित गाय का टैगिंग और तीन वर्ष का बीमा जरूरी है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी नरेद्र नारायण शुक्ला ने बताया कि मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना के लिए आवेदन 11 जुलाई तक किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि चारा उगाने के लिए 0.8 हेक्टेयर जमीन की अनिवार्यता भी समाप्त कर दी गई है। हरा चारा की पूर्ति समझौता अनुबंध के माध्यम से पूरा किया जा सकेगा। ऐसे में अब महिला और पुरुष लाभार्थी को यूनिट स्थापना के लिए स्वीकृति दी जाएगी।

बलात्कार के आरोप में युवक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन पुलिस ने बलात्कार के मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।पुलिस के अनुसार, अभियुक्त रिषभ पुरवार निवासी आयना रोड मुगदगज थाना अजीतमल जिला औरैया, वर्तमान निवासी बलजीत नगर थाना पटेल नगर पश्चिमी दिल्ली को छटीकरा जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ थाने में एक मुकदमा दर्ज कराया गया था, जिसमें किशोरी के परिवार को जान से मारने की धमकी देने और वीडियो वायरल करने की धमकी देने आदि के आरोप हैं। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया।

ट्रैफिक सेंस भूले बाइक सवार

बाइक सवारों की जल्दबाजी से लगा जाम

नए बस स्टैंड पुल के नीचे दिन में कई बार रही परेशानी

सोमवार को पहले निकलने की जल्दबाजी में नए बस स्टैंड पुल के नीचे जाम लग गया। जाम में फंसी बाइकें।

यूनिक समय, मथुरा। अब तक शहर में वाहनों के जाम दिखते थे, लेकिन सोमवार को नए बस स्टैंड रेलवे पुल के पास केवल बाइकों का जाम ही दिखाई दिया। 10 मिनट के इस जाम में दर्जनों बाइक फंस गई, लोग अकुला गए। इस समस्या की वजह केवल बाइक सवार ही बने। वहीं, हाइवे चौराहा और भूतेश्वर पुल पर भी जाम की वजह से हर कोई परेशान रहा।

नए बस स्टैंड के समीप रेलवे पुल के नीचे इन दिनों काम चल रहा है। रेलवे की ओर से यहां पुरानी सड़क काटकर हटाई जा रही हैं, जबकि रात के समय नई सड़क बनाने का काम कराया जा रहा है। यह काम सात जुलाई तक चलेगा, ऐसे में यहां से चार पहिया वाहनों का आवागमन बंद हैं, केवल दो पहिया वाहनों को ही आने-जाने दिया जा रहा है। सोमवार दोपहर को अचानक यहां पहले निकलने की जल्दी में बाइक सवारों ने जाम लगा दिया। स्टेंट बैंक की ओर से नए बस स्टैंड की ओर काफी संख्या में बाइक आ गई, दूसरी ओर की बाइकों को निकलने का रास्ता भी नहीं दिया गया। यहां पुलिसकर्मियों के नहीं होने से हौच- पौच के हालात बनते रहे। हर कोई पहले निकलने की जल्दी में आगे बढ़ता रहा, जिससे जाम लगता रहा। ऐसे जल्दबाजी में लगा काम चिल्ल- पौं के बाद खुल सका। वहीं, हाइवे थाना पुल और भूतेश्वर पुल के आसपास भी जाम के हालात बने रहे। हाइवे पर तो पुलिसकर्मी जाम को खुलवाने के लिए पसीना बहाते नजर आए, जबकि भूतेश्वर के पुल के आसपास लगाए गए यातायातकर्मी छांव में सुस्ताते दिखे। ऐसे में भूतेश्वर पुल से कृष्णानगर और बीएसए कालेज की ओर जाने वालों को जद्दोजहद करनी पड़ी।

परिक्रमा के बाद मानसी गंगा में डूबकर किशोर की मौत

यूनिक समय, गोवर्धन। दोस्त और भाई के साथ गोवर्धन में परिक्रमा करने के लिए आया एक किशोर स्नान करने के दौरान मानसी गंगा के गहरे पानी में डूब गया। किशोर को निकालने के बाद हॉस्पिटल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

करोली, राजस्थान से अविनाश अपने भाई और दोस्तो के साथ गोवर्धन में गिरिराज जी की परिक्रमा करने के लिए आया था। परिक्रमा पूरी करने के बाद मानसी गंगा पर स्नान कर रहे थे। इसी दौरान अविनाश का पैर फिसल गया और वह मानसी गंगा के गहरे पानी में डूबने लगा। उसके भाई ने भी उसे बचाने का प्रयास किया।

कुछ ही देर में गोताखोरों ने मानसी गंगा में कूद कर किशोर को बचाने का प्रयास किया। काफी प्रयास से बाद अविनाश को पानी से बाहर निकाला गया।

पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। अविनाश को तुरंत हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अविनाश की मौत के बारे में परिवार के लोगों को भी सूचना दी गई। भाई और दोस्त उसकी मौत से बेहद आहत हैं।

मानसी गंगा और राधाकुंड पर तैनात हों गोताखोर

डूबने वाले को समय पर बचाया जाना जरूरी

यूनिक समय, गोवर्धन। गोवर्धन और राधाकुंड में हर रोज बढ़ी संख्या में परिक्रमार्थी स्नान करते हैं। इसके बाद भी स्नान करने वालों की सुरक्षा के इंतजाम नहीं है। यही वजह है यहां स्नान के दौरान डूबकर परिक्रमार्थियों की मौत हो रही हैं। एक माह में दस लोगों की मौत हो चुकी है।

हजारों की संख्या में गोवर्धन में गिरिराज जी की पुण्य लाभ कमाने के लिए श्रद्धालु परिक्रमा करते हैं। परिक्रमा के बाद पवित्र मानसी गंगा और राधाकुंड में स्नान भी करते हैं। इतनी बढ़ी संख्या में मानसी गंगा और राधाकुंड में परिक्रमार्थियों के स्नान करने के बाद भी इन दोनों स्थानों पर सुरक्षा के न तो कोई इंतजाम हैं और न घटना होने के तुरंत बाद डूबते व्यक्ति को बचाने के लिए गौताखोर मौजूद है। घटना होने के बाद ही गोताखोर और एनडीआरएफ के जवान आते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि मानसी गंगा और राधाकुंड पर स्थाई तौर पर प्रशासन को इस तरह की व्यवस्था करनी चाहिए, जिससे डूबने वाले को तुरंत बाहर निकाल कर उसे उपचार दिया जा सके। मानसी गंगा और राधाकुंड पर परिक्रमार्थियों के साथ होने वाली घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

राजपुर में बच्चों के विवाद में चचेरे भाई ने भाई को मारी गोली

घायल को गंभीर हालत में जिला अस्पताल किया रैफर

यूनिक समय, चौमुहां। थाना जैंत के गांव राजपुर में एक ही परिवार के बच्चों के बीच हुए मामूली विवाद ने भयंकर रुप ले लिया। परिवार के बीच मामूली विवाद खूनी रूप में बदल गया तो चचेरे भाई ने अपने ताऊ के बेटे का भी लिहाज नहीं किया, उसे गोली मारकर घायल कर दिया। घायल की हालत को देखते हुए जिला अस्पताल भेज दिया गया है।

राजपुर निवासी रोहित सैनी और मनीष सैनी दोनों चाचा-ताऊके बेटे हैं। इन दोनों परिवार के बच्चों में किसी बात को लेकर आपस में झगड़ा हो गया। बच्चों के झगड़े को लेकर रोहित सैनी इतना आक्रोशित हुआ कि उसने अपने ही ताऊ के बेटे मनीष सैनी पर जान से मारने की नीयत से गोली चला दी। गोली मनीष के हाथ में लगी, जिससे वह गंभीर घायल हो गया। गोली चलने की आवाज सुनकर आस-पास क्षेत्र में हड़कंप मच गया। रोहित गोली मारने के बाद वहां से भाग गया। मनीष के गोली लगने का पता लगने पर उसके परिवार के लोगों में बेचैनी फैल गई। परिजन ने घायल मनीष को आनन-फानन में वृंदावन के जिला संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रैफर कर दिया। राजपुर में हुए गोली कांड की सूचना मिलने पर जैंत और वृंदावन थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल को देखा और लोगों से जानकारी की। सीओ सदर वरुण मिश्रा ने बताया कि आरोपी रोहित के खिलाफ परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है। फिलहाल घायल युवक की स्थिति सामान्य बनी हुई है। पुलिस गोली चलाने वाले हमलावर को गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है।

गांव सेही में ग्रामीण की संदिग्ध हालत में मौत

शव गांव के नौहरे में पड़ा मिला

गर्दन से नीचे पेट तक जले के मिले निशान

यूनिक समय, मथुरा। थाना शेरगढ़ के गांव सेही में एक व्यक्ति का शव एक नौहरे में पड़ा मिला, उसके शरीर पर जलने के निशान हैं। पुलिस ने मौत का सही कारण जानने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। परिवार के लोग उसकी हत्या की आशंका व्यक्त कर रहे हैं।

बताया गया कि गांव सेही शेरगढ़ निवासी उपेंद्र (42) का शव गांव में एक नौहरे में पड़ा मिला। मृतक के गले से नीचे जलाए जाने जैसे निशान होने के साथ-साथ चोट के निशान भी है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया गया कि वह कल दोपहर करीब ढाई तीन बजे घर से निकलने के बाद देर शाम तक घर नहीं लौटा तो परिवार के लोगों ने उसे तलाश किया। तलाश करने पर एक ग्रामीण के नौहरे में शव पड़ा मिला। परिवार के लोगों को उसकी हत्या किए जाने की आशंका है। पुलिस को अभी इस बारे में किसी तरह की कोई तहरीर नहीं दी गई है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिवार द्वारा दी गई तहरीर पर कार्रवाई की जाएगी।

नाग के मरने पर नागिन गुस्से में

यूनिक समय, मथुरा। नागिन का शिकार होने से युवक बच गया, इसकी चर्चा नगर में बनी है। नगर निवासी सद्दाम हुसैन कबाड़ का काम करते हैं। बताया जा रहा है कि तीन दिन पहले उनके प्लाट पर खड़ी कार के नीचे नाग-नागिन का जोड़ा बैठा था। ड्राइवर ने कार निकाली तो पहिये के नीचे आकर कुचलने से नाग की मौके पर मौत हो गई। नागिन काफी देर तक मृत नाग के पास बैठी रही। डर की वजह से सद्दाम हुसैन ने डंडे से नागिन पर हमला किया, लेकिन वह जान बचाकर भाग गई। इसके बाद सद्दाम ने मरे हुए नाग को नाले में फेंक दिया। तब से नागिन सद्दाम से बदला लेने के लिए भटक रही थी। वह कार लेकर किसी काम से निकला कि मथुरा-बरेली बाईपास पर अफरा-तफरी मच गई, जब सद्दाम अचानक ब्रेक लगाकर वाहन छोड़कर भाग निकला। इस दौरान कार असंतुलित होकर सड़क किनारे गहरे गड्ढे में जा गिरी। गनीमत रही कि सद्दाम बाल-बाल बच गया। दावा किया जा रहा है कि कार के अंदर एक नागिन बैठी थी, जो चालक को डसने का मौका तलाश रही थी।

चार बैंड वाले दुर्घटना में हुए घायल

यूनिक समय, मथुरा। थाना सदर बाजार क्षेत्र स्थित एनसीसी रोड पर आर्मी गेट के समीप बैंड बजा कर टेंपो से लौट रहे बैंड वालों को रोटवेज बस ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में चार बैंड बजाने वाले घायल हो गए। घायलों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया।

बीती रात शादी में बैंड बजाने के बाद चार बैंड वाले टेंपो से लक्ष्मीनगर के लिए जा रहे थे। एनसीसी तिराहे से टेंपो जैसे ही सदर बाजार की ओर जा रहा था। आर्मी गेट के समाने तेज गति से आती रोडवेज बस ने टेंपो को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में टेंपो पलट गया। टेंपो में सवार हंसगंज थाना यमुनापार निवासी राजू (45) और उसका भाई बनिया (56), आंबेडकर नगर थाना यमुनापार निवासी पाल सिंह व शिव नगर तैयापुर थाना यमुना पार निवासी भगवान सिंह घायल हो गए। दुर्घटना को देख कर वहां से गुजरते लोगों ने पुलिस के इस बारे में सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दुर्घटना में घायल हुए लोगों को निकलवा कर हॉस्पिटल ले जाकर भर्ती कराया।

वृंदावन में पश्चिम बंगाल के युवक का शव पेड़ से लटका मिला

25 जून से घर से बिना बताए आया था युवक

यूनिक समय, मथुरा। पश्चिम बंगाल से बिना बताए निकले युवक ने वृंदावन में आकर आत्महत्या कर ली। युवक का शव पागलबाबा हॉस्पिटल के सामने एक पेड़ पर लटका हुआ मिला। पुलिस ने परिवार के लोगों को इस घटना के बारे में सूचना दी।

वृंदावन पुलिस को पागल बाबा हॉस्पिटल के सामने पेड़ पर एक युवक का शव कल लटका होने की सूचना मिली। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पेड़ से नीचे उतरवाया। युवक के पास से मिले पते पर पुलिस ने युवक के परिवारीजनों को सूचना दी। युवक के परिवार के लोगों ने मोरचरी पर बताया कि मृतक युवक का नाम अनीस मुंडन (21) पुत्र महेश मुंडन निवासी ओठला वाड़ी टीजी चिरौलाइन पोस्ट मनवारी थाना मौल जिला जलपाई गुड़ी पश्चिम बंगाल है। अनीस इंटर पास है। वह घर से बिना बताए 25 जून को निकल गया था। उसके घर ना लौटने पर परिवार के लोग उसकी तलाश कर रहे थे। कल वृंदावन पुलिस ने फोन करके उसके बारे में बताया था। उसकी मौत की सूचना पर परिवार में शोक छाया हुआ है। उसने आत्महत्या जैसी घटना किस कारण अंजाम दी, इसके बारे उन्हें कुछ जानकारी नहीं है। पोस्टमार्टम कराने के बाद पुलिस ने शव को अंतिम संस्कार के लिए परिवार के लोगों को सौंप दिया।

बारिश का इंतजार,धान की रोपाई शुरू

सोमवार को फरह क्षेत्र के गांव परखम के समीप खेतों में धान रोपाई करते युवक।

नहरी क्षेत्रों में काम तेज

बारिश के इंतजार में छोड़कर नहर और रजवाहा से जुड़े क्षेत्रों के किसानों ने धान रोपाई तेजी से शुरू कर दी है। वैसे, कई इलाकों में यह काम करीब पूरा भी हो गया है। कुछ ब्लाक क्षेत्रों में अभी धान रोपाई सुस्त है। बारिश होने के बाद यह काम तेज होगा। अधिक तापमान भी किसानों को डरा रहा है।

उत्पादन पर पड़ेगा असर

इस बार बारिश की देरी से धान उत्पादन पर असर पड़ सकता है। जिले में करीब 1.05 लाख हेक्टेयर रकबा में रोपे जाने वाले धान की रोपाई एक–दो बारिश होने के बाद तेजी पकड़ेगी। देरी होने से इस बार उत्पादन कम भी रह सकता है।

नर्सरी बड़ी होने पर किसानों ने शुरू कर दी रोपाई

ट्यूबवेल से खेतों में भरा जा रहा पानी

यूनिक समय, मथुरा। बारिश का इंतजार करने के बजाय अन्नदाता अब धान रोपाई में जुट गए हैं। तापमान से बेफ्रिक किसान बड़ी होती जा रही धान की नर्सरी को अब खेतों में रोपने लगे हैं।

नहर और रजवाहा के आसपास के गांवों में रोपाई तेज हो गई है, जबकि दूसरे क्षेत्रों में पैसे से पानी खरीदकर इसे रोपने का काम तेजी से होने लगा है।

जिले में धान की रोपाई को जून में किसानों ने नर्सरी तैयार कर ली थी। वैसे तो जिले में बारिश आने और तापमान गिरने के बाद धान रोपाई का काम शुरू हो जाता है, लेकिन इस बार बारिश का इंतजार करते किसानों की आंखें पथराई गई। इस महीने तो अभी तक ऐसी बारिश नहीं हुई है, जिससे धान रोपाई तेजी से हो सके।

सोमवार को फरह ब्लाक के गांव परखम में कई युवक करीब ढाई बीघा खेत में धान की रोपाई में जुटे थे। आधा दर्जन युवाओं की टोली के धान रोपने में जुटे रामकिशोर ने बताया कि इस रकबा में धान की रोपाई चार घंटे में कर दी जाएगी। बारिश नहीं होने की वजह से सौ रुपये घंटे के हिसाब से ट्यूबवैल से पानी खरीदकर खेत को भरा है। नर्सरी बड़ी हो रही थी, इसलिए रोपाई करना भी जरूरी है। इस बार धान की फसल रोपाई बारिश नहीं होने से मंहगी पड़ रही है।

पीली पड़ने लगी पत्तियां

नहर और रजवाहा से जुड़े इलाकों में एक सप्ताह पहले रोपे गए धान की पत्तियां अब पीली पड़ने लगी है। इस बारे में कृषि विज्ञानी डा. जगदीश रंजन का कहना था कि ऐसा तापमान अधिक होने की वजह से हो रहा है। ऐसे खेतों में धान का उत्पादन भी कम होने के आसार रहेंगे।

आठ घंटे बिजली से नहीं चल पा रहा काम

किसानों का कहना है कि इस समय खेतों के लिए केवल आठ घंटे बिजली मिल रही है जिससे ट्यूबवेल के जरिये सिंचाई करना भी आसान नहीं है। किसानों को करीब 15 घंटे बिजली मिलनी चाहिए। दूसरी ओर मजदूरों की कमी भी किसानों के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। मजदूरी महंगी होने और पर्याप्त श्रमिक उपलब्ध नहीं होने से रोपाई की गति और धीमी पड़ गई है।

आपकी आवाज बनेगा हमारा अभियान

जनहित से जुड़े मुद्दों को उजागर करने और आम जनता की समस्याओं को संबंधित विभागों तक पहुंचाने के लिए हम आपके सहयोग की अपेक्षा करते हैं। यदि आपके क्षेत्र में किसी भी विभाग से संबंधित कोई समस्या, अव्यवस्था, लापरवाही, भ्रष्टाचार, गंदगी, टूटी सड़क, जलभराव, बिजली–पानी की समस्या अथवा अन्य कोई जनहित का मामला है, तो उसकी जानकारी हमें भेजें। समस्या से संबंधित स्पष्ट फोटो या वीडियो के साथ संक्षिप्त विवरण उपलब्ध कराएं। आपकी ओर से प्राप्त जानकारी को प्रमुखता से प्रकाशित कर संबंधित अधिकारियों एवं विभागों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा, ताकि समस्या के समाधान में मदद मिल सके।

आपकी जागरूकता, समाज के विकास की ताकत है।

–संपादक

टेलीफोन : 0565–3550761 मोबाइल : 8394983366

समय पर खाद पहुंचाने को सहकारी बैंक ने बढ़ाए कदम

बैठक में मौजूद जिला सहकारी बैंक लि. के अध्यक्ष निरंजन सिंह धनगर और बैंक के अधिकारी।

43 सहकारी समितियों की ऋण सीमा मंजूर

जिला सहकारी बैंक की बैठक में लिया फैसला

यूनिक समय, मथुरा। सहकारिता सप्ताह के पहले दिन जिला सहकारी बैंक की साख स्वीकृति समिति की बैठक बैंक अध्यक्ष निरंजन सिंह धनगर की अध्यक्षता में हुई। बैठक में किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने के लिए 43 सहकारी समितियों और संघों की उर्वरक ऋण सीमा मंजूर की गई। साथ ही प्लानिंग ऑफिस वेतन भोगी सहकारी समिति के कर्मचारियों की ऋण सीमा को भी स्वीकृति दी गई।

बैठक में बताया गया कि बैंक का कार्यक्षेत्र मथुरा और हाथरस की सादाबाद तहसील तक है। यहां कुल 105 बी–पैक्स समितियां हैं। इनमें से 36 समितियों और सात सहकारी संघों को खाद वितरण के लिए ऋण सीमा की मंजूरी मिल गई है। बैंक अध्यक्ष निरंजन सिंह धनगर ने कहा कि किसानों को खाद की कोई परेशानी न हो, इसके लिए जिन समितियों के प्रस्ताव अभी नहीं आए हैं, उन्हें जल्द बैंक मुख्यालय भेजा जाए, ताकि समय रहते स्वीकृति मिल सके। बैंक के सचिव-मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 30 जून को होने वाला राज्य स्तरीय सहकारिता सम्मेलन अब एक जुलाई को आयोजित होगा। इसकी जानकारी सम्मेलन में शामिल होने वाले सभी संचालकों को दे दी गई है। बैठक में निहाल सिंह आर्य, बनवारी सिंह सिकरवार, उपमहाप्रबंधक दमनलाल शर्मा सहित बैंक के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

हड़ताली दस्तावेज लेखकों ने विरोध में गाए भजन

भजन गाते हुए हड़ताल पर बैठे दस्तावेज लेखक।

यूनिक समय, छाता। सरकार की निजीकरण योजना के विरोध में दस्तावेज लेखक संघ की अनिश्चितकालीन हड़ताल लगातार जारी है। सोमवार को धरने पर बैठे दस्तावेज लेखक संघ के सभी अधिवक्ताओं और स्टांप वेंडर कर्मचारियों ने विरोध दर्ज कराया।

हड़ताल के दौरान धरना स्थल पर एक अनूठा नजारा देखने को मिला, जहां सभी प्रदर्शनकारियों ने एकजुट होकर भक्ति भजनों का गायन किया। संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि जब तक सरकार निजीकरण की योजना को पूरी तरह वापस नहीं लेती, तब तक उनका यह आंदोलन और हड़ताल इसी तरह जारी रहेगी। लड्डू गोपाल ने सुंदर भजन प्रस्तुत किए। इस अवसर पर अध्यक्ष वेदेंद्र कुमार द्विवेदी, प्रकाश सिंह, रामवीर, लड्डू गोपाल शर्मा, प्रेमपाल सिंह, रमेश, संतोष, दाऊदयाल गौड़, रमन सिंह, कांति शर्मा, शिवसिंह,भेदन और महेंद्र सिंह आदि उपस्थित थे।

महाअभियान को नगर निगम क्षेत्र 10 सेक्टरों में विभाजित

15 दिवसीय स्वच्छता महाअभियान में नगर आयुक्त ने अधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

यूनिक समय, मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण की जन्म स्थली को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने के लिए नगर आयुक्त जग प्रवेश ने हम सब ने ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है अभियान के तहत नगर निगम क्षेत्र को 10 सेक्टरों में विभाजित किया है।

पंद्रह दिवसीय विशेष स्वच्छता, प्रवर्तन, सौंदर्यीकरण और जन–जागरूकता महाअभियान में प्रत्येक सेक्टर के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय की गई है। नगर आयुक्त ने बताया कि छह जुलाई तक चलने वाले इस अभियान हम सब ने ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है" के प्रभावी संचालन के लिए नगर क्षेत्र के 70 वार्डों को 10 सेक्टरों में विभाजित किया है। सात वार्ड को मिलाकर एक सेक्टर बनाया गया है। अभियान के दौरान प्रमुख मंदिरों, परिक्रमा मार्गों, धार्मिक-पर्यटन स्थलों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, मुख्य बाजारों, सार्वजनिक स्थलों और आवासीय क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध जुर्माना की कार्रवाई, अवैध डंपिंग स्थलों का निस्तारण और यातायात और स्वच्छता में बाधक अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई भी की जाएगी।

जिले में एक जुलाई से शुरू होगा संचारी रोग नियंत्रण अभियान

12 विभाग मिलकर चलाएंगे विशेष अभियान

घर–घर जाकर होगी मरीजों की पहचान तत्काल शुरू होगा उपचार

यूनिक समय, मथुरा। जिले में मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, टीबी, कुष्ठ रोग सहित अन्य संचारी और संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए एक जुलाई से विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान शुरू होगा। यह अभियान पूरे जुलाई तक चलेगा। अभियान के माध्यम से बीमारियों की समय रहते पहचान कर मरीजों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराना तथा लोगों को स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना है। अभियान में स्वास्थ्य विभाग सहित 12 विभाग सहभागिता करेंग

जिला मलेरिया अधिकारी- संचारी रोग नियंत्रण अभियान के नोडल अधिकारी चंद्र प्रकाश मिश्र ने बताया कि प्रदेश सरकार के निर्देश पर जिले में हर वर्ष यह अभियान तीन चरणों में चलाया जाता है। पहला चरण अप्रैल, दूसरा जुलाई और तीसरा अक्टूबर माह में आयोजित होता है। जुलाई में शुरू होने वाला यह दूसरा चरण है, जिसमें गांवों से लेकर शहर तक व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा बहुएं और स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर–घर जाकर सर्वे करेंगी। इस दौरान ऐसे लोगों की पहचान की जाएगी, जो मलेरिया, टीबी, कुष्ठ रोग या अन्य संचारी रोगों के लक्षणों से पीड़ित हैं। चिन्हित मरीजों की जानकारी तत्काल स्वास्थ्य विभाग को उपलब्ध कराई जाएगी, जिसके बाद उनकी जांच कर आवश्यक उपचार शुरू कराया जाएगा।

अभियान के दौरान गांवों और शहरी क्षेत्रों में विशेष साफ–सफाई कराई जाएगी। जलभराव वाले स्थानों की पहचान कर उन्हें समाप्त कराया जाएगा, नालियों की सफाई होगी और मच्छरों के प्रजनन स्थलों को नष्ट करने के लिए एंटी लार्वा दवा का छिड़काव और फॉगिंग कराई जाएगी।

जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि यह अभियान केवल स्वास्थ्य विभाग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे 12 विभागों के समन्वय से संचालित किया जाएगा। इनमें स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम, नगर पंचायत, पंचायती राज विभाग, ग्राम्य विकास विभाग, पशुपालन विभाग, कृषि विभाग, शिक्षा विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, सिंचाई विभाग, उद्यान विभाग और अन्य संबंधित विभाग शामिल हैं। सभी विभागों को उनकी जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं, ताकि अभियान का प्रभाव जिले के प्रत्येक गांव और वार्ड तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को लगातार बुखार, खांसी, त्वचा संबंधी समस्या या अन्य संचारी रोगों के लक्षण दिखाई दें तो उसे छिपाएं नहीं, बल्कि स्वास्थ्य विभाग की टीम को जानकारी दें। साथ ही सर्वे के दौरान आने वाली टीमों का पूरा सहयोग करें।

तापमान / मौसम

39 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

27 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,43,170

22 कैरेट 1,31,239

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,40,900 प्रति किलो

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-2420150,

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

जीएलए इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च का उत्कृष्ट प्लेसमेंट

जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा के आईएलएसआर के चयनित छात्रों के साथ विभाग के डीन प्रो. सोमेश धमीजा ।

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा के इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च (आईएलएसआर) ने शैक्षणिक सत्र 2025–26 में प्लेसमेंट- इंटर्नशिप के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। संस्थान के 85 प्रतिशत विधि विद्यार्थियों का देश की प्रतिष्ठित कॉरपोरेट कंपनियों, वित्तीय संस्थानों, विधिक सेवा प्रदाता संगठनों और अग्रणी लॉ फर्मों में चयन हुआ है, जो संस्थान द्वारा प्रदान की जा रही गुणवत्तापूर्ण विधिक शिक्षा, व्यावहारिक प्रशिक्षण और उद्योगोन्मुखी शिक्षण प्रणाली का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

इस वर्ष विद्यार्थियों को पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, पीएचएफएल होम लोन एंड सर्विसेज, ट्रिलियन लोन्स, क्विसलेक्स, जीनस पेपर एंड बोर्ड्स, नवरिति टेक्नोलॉजीज, एटीएस इन्फ्रास्ट्रक्चर्स और बीजीएसबी सॉल्यूशंस सहित अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों में प्लेसमेंट प्राप्त हुए हैं। इसके अतिरिक्त प्रतिष्ठित कॉरपोरेट संगठनों और विधि फर्मों ने भी संस्थान के विद्यार्थियों का चयन किया है, जिससे संस्थान की बढ़ती प्रतिष्ठा, उद्योग जगत में उसकी स्वीकार्यता स्पष्ट होती है।

संस्थान ने राष्ट्रीय स्तर पर विधिक शिक्षा और प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के सहयोग से दो सफल राष्ट्रीय स्तरीय मूट कोर्ट प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया है। इन प्रतियोगिताओं में देशभर के प्रतिष्ठित विधि संस्थानों के विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिससे प्रतिभागियों को न्यायालयीन कार्यप्रणाली, विधिक शोध, तर्क–वितर्क और वकालत कौशल का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। प्लेसमेंट के साथ–साथ संस्थान विद्यार्थियों को उत्कृष्ट इंटर्नशिप अवसर उपलब्ध कराने के लिए भी निरंतर प्रयासरत रहा है। विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित लॉ फर्मों-संगठनों में इंटर्नशिप करने का अवसर प्राप्त हुआ है, जिनमें मुख्य रूप से हम्मूरबी एंड सोलोमन, शार्दूल अमरचंद मंगलदास एंड कंपनी, जे सागर एसोसिएट्स, डेंटन्स लिंक लीगल, लीगल फॉक्सेस, रिसर्जेंट इंडिया, ज्यूरिस लीगल एलएलपी, दीवान एडवोकेट्स, कॉन्सेप्ट लीगल कंसल्टेंट्स, एएआर अटॉर्नी अलायंस, खुराना एंड खुराना एडवोकेट्स एंड आईपी अटॉर्नीज, टाइगर लॉ कॉरपोरेट, मास्टर्स एंड चौंबर्स और डीएसके लीगल जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित संस्थाएं शामिल हैं। संस्थान विद्यार्थियों को मूट कोर्ट प्रतियोगिताओं, कानूनी अनुसंधान, इंटर्नशिप, कॉरपोरेट एक्सपोजर, व्यक्तित्व विकास कार्यक्रमों और व्यावसायिक प्रशिक्षण गतिविधियों के माध्यम से भविष्य की पेशेवर चुनौतियों के लिए तैयार करता है। विधि संस्थान के डीन प्रो. सोमेश धमीजा ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता उनकी मेहनत, समर्पण और जीएलए विश्वविद्यालय के विधि संस्थान द्वारा प्रदान किए जा रहे उत्कृष्ट शैक्षणिक- व्यावसायिक मार्गदर्शन का परिणाम है। हमें गर्व है कि हमारे विद्यार्थी प्रतिष्ठित संगठनों और लॉ फर्मों में अपनी पहचान बना रहे हैं। यह उपलब्धि भविष्य के विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बनेगी।

85 प्रतिशत विधि विद्यार्थियों का प्रतिष्ठित कॉरपोरेट्स, वित्तीय संस्थानों और अग्रणी लॉ फर्मों में चयन

यूपी बोर्ड हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा

पांच अगस्त तक जमा होगा प्रवेश और परीक्षा शुल्क

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा 2026–27 की तैयारियां शुरू कर दी हैं। परिषद ने प्रवेश और परीक्षा शुल्क जमा करने, ऑनलाइन पंजीकरण और अभिलेखों के सत्यापन की पूरी समय–सारिणी जारी कर दी है। इसके बाद जिले के सभी माध्यमिक विद्यालयों में परीक्षा संबंधी तैयारियां शुरू हो गई है।

जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय के अनुसार, संस्थागत छात्र–छात्राओं से प्रवेश और परीक्षा शुल्क पांच अगस्त तक लिया जाएगा। इसके बाद विद्यालयों को यह शुल्क 10 अगस्त तक कोषागार में जमा कराना होगा। वहीं, विद्यार्थियों का ऑनलाइन पंजीकरण और शैक्षिक विवरण 16 अगस्त तक परिषद की वेबसाइट पर अपलोड करना अनिवार्य रहेगा।

स्कूलों को समय पर पूरी करनी होगी प्रक्रिया

ऑनलाइन दर्ज किए गए विवरणों की जांच 21 से 31 अगस्त तक होगी। यदि किसी छात्र के नाम, माता–पिता के नाम, जन्मतिथि, विषय या अन्य जानकारी में कोई गलती मिलती है तो उसे एक से 10 सितंबर तक सुधारा जा सकेगा। इसके अलावा सभी विद्यालयों को पंजीकृत छात्र–छात्राओं की फोटोयुक्त नामावली और जरूरी अभिलेख 30 सितंबर तक जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में जमा करने होंगे। परिषद ने सभी प्रधानाचार्यों को निर्देश दिए हैं कि विद्यार्थियों का पूरा विवरण अच्छी तरह जांचने के बाद ही ऑनलाइन अपलोड करें। किसी भी प्रकार की गलती के लिए संबंधित विद्यालय ही जिम्मेदार होगा।

मोबाइल चोर गिरफ्तार, चाकू भी बरामद

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन पुलिस ने एक युवक को मोबाइल चोरी के मामले में गिरफ्तार किया। पुलिस को उसके कब्जे से एक अवैध चाकू भी बरामद हुआ।

वृंदावन पुलिस ने मोबाइल चोरी के मामले मे अभियुक्त गोपाल निवासी नरी सेमरी छाता को एनआईआर ग्रीन से पहले गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को उसके कब्जे चोरी का मोबाइल और एक अवैध चाकू भी बरामद हुआ है।

लगातार तीसरी जीत के साथ सीएई मथुरा सेमीफाइनल में

सीएई प्लेयर ऑफ द मैच शिवांग शर्मा अपनी टीम के साथ।

यूनिक समय, मथुरा। आगरा स्थित सोनेट क्रिकेट अकादमी में आयोजित अंडर–13 किड्स प्रीमियर लीग के सुपर लीग मुकाबले में सीएई मथुरा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्टार नेक्स्ट क्रिकेट अकादमी को पांच विकेट से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ सीएई मथुरा ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

पहले बल्लेबाजी करते हुए स्टार नेक्स्ट क्रिकेट अकादमी की टीम 34.2 ओवर में 164 रन पर सिमट गई। टीम की ओर से आयुष्मान ने 29, जयंत गैलानी ने 26 और ललतेश ने 24 रन बनाए। सीएई मथुरा की ओर से देव और सौरभ चौधरी ने तीन–तीन विकेट झटके, जबकि हार्दिक ने दो विकेट हासिल किए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीएई मथुरा की शुरुआत अच्छी नहीं रही, लेकिन शिवांग शर्मा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 73 रन (74 गेंद, 10 चौके) बनाए। उन्हें सजल गुप्ता का भी बेहतरीन साथ मिला, जिन्होंने नाबाद 34 रन की पारी खेली। दोनों बल्लेबाजों की अटूट साझेदारी की बदौलत सीएई मथुरा ने 34.4 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 166 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। स्टार नेक्स्ट क्रिकेट अकादमी की ओर से सकत ने दो विकेट लिए, जबकि उत्कर्ष सिंह, जयेश चौहान और शिवराज को एक- एक विकेट मिला। मैच में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए शिवांग शर्मा ने नाबाद 73 रन बनाने के साथ गेंदबाजी में भी तीन ओवर में एक विकेट हासिल किया। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

शिवांग शर्मा बने मैच के हीरो

सीलिंग कार्रवाई के विरोध में सपा का पैदल मार्च

डीएम कार्यालय पर सीलिंग के विरोध में सपा बाबा साहब आंबेडकर वाहिनी के कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन करते हुए।

यूनिक समय, मथुरा। समाजवादी पार्टी बाबा साहब आंबेडकर वाहिनी के तत्वावधान में प्रशासन द्वारा होटल, गेस्ट हाउस और कोचिंग सेंटरों पर बिना नोटिस और बिना सुनवाई के की जा रही सीलिंग कार्रवाई के विरोध में सोमवार को राजकीय छात्रावास से जिला मुख्यालय तक पैदल मार्च निकाला। प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल के नाम संबोधित तीन सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा।

मथुरा–वृंदावन विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी अनिल अग्रवाल ने कहा कि प्रशासन की इस कार्रवाई से होटल, गेस्ट हाउस और कोचिंग सेंटरों में कार्यरत हजारों कर्मचारी और शिक्षक बेरोजगार हो गए हैं। बाबा साहब आंबेडकर वाहिनी के महानगर अध्यक्ष रमेश सैनी ने कहा कि यदि प्रशासन ने सीलिंग की कार्रवाई तत्काल नहीं रोकी, तो सपा बेरोजगार कर्मचारियों, शिक्षकों और छात्रों के साथ सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान लुकेश कुमार राही, अभिषेक यादव, देवेंद्र निषाद, संजय,देवेंद्र आजाद, मुकेश,संतोष सैनी, साहिल अग्रवाल, मनोज पंडित, मुकेश सैनी, लवकुश, राज गब्बर नेता, सचिन यादव, नरेश कुमार, मनीष सैनी सहित बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राज्यपाल के नाम सौंपा तीन सूत्रीय ज्ञापन

राजीव एकेडमी के 24 एमबीए विद्यार्थी करेंगे लर्नएक्स में इंटर्नशिप

ई-लर्निंग कम्पनी लर्नएक्स में इंटर्नशिप के लिए आनलाइन परीक्षा देते विद्यार्थी।

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के एमबीए सत्र 2025–27 के तृतीय सेमेस्टर के दो दर्जन छात्र–छात्राओं का प्रतिष्ठित ई–लर्निंग कम्पनी लर्नएक्स में इंटर्नशिप को चयन हुआ है। चयनित विद्यार्थियों को कंपनी द्वारा न सिर्फ व्यावहारिक कौशल की जानकारी दी जाएगी, बल्कि प्रतिमाह रुपये 10 हजार स्टाइपेंड भी दिया जाएगा।

आरएटीएन के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट प्रमुख डॉ. विकास जैन ने बताया कि संस्थान के 24 एमबीए छात्र–छात्राओं का ई–लर्निंग कम्पनी लर्नएक्स में इंटर्नशिप को चयन हुआ है। चयन से पूर्व कंपनी द्वारा आनलाइन परीक्षा ली गई, उसके बाद चयन सूची जारी की गई।

चयनित विद्यार्थियों में अभिषेक सिंह, अंजली कुमारी, अनुराग चौधरी, अरुण कुमार, बलराम चौधरी, भावना दुबे, भूमि खंडेलवाल, चारुल शुक्ला, दीपक गर्ग, हिमांशी शर्मा, जय उपाध्याय, कमलेश शर्मा, किरण, किशोरी शर्मा, क्षितिज अग्रवाल, मनीष कुमार, मानसी गोयल, प्रिया भारद्वाज, प्रियांशी शर्मा, पुण्य अग्रवाल, तुलसी अग्रवाल, तुलसी शर्मा, यश अग्रवाल और योगेश भट्ट शामिल हैं।

डॉ. जैन ने बताया कि लर्नएक्स एक अग्रणी डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म है, जो ऑनलाइन कोर्स, इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग, सर्टिफिकेशन प्रोग्राम, वन–टू–वन मेंटरशिप और प्लेसमेंट प्रिपरेशन जैसी सुविधाएं प्रदान करता है। यह संस्थान विद्यार्थियों के कौशल विकास-करियर उन्नति के लिए कार्य करता है। डॉ. जैन ने कहा कि इंटर्नशिप विद्यार्थियों को उद्योग जगत की वास्तविक कार्यप्रणाली से परिचित कराती है, उनके व्यावसायिक कौशल को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संस्थान के निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि राजीव अकादमी सदैव उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा-प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आरके एज्यूकेशनल ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल और प्रबंध निदेशक मनोज अग्रवाल ने इंटर्नशिप के लिए चयनित हुए विद्यार्थियों को बधाई देते हुए पूरे मनोयोग से प्रशिक्षण हासिल करने की सलाह दी। डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियां संस्थान की उत्कृष्ट शैक्षणिक, प्रशिक्षण व्यवस्था का प्रमाण हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि विद्यार्थी इंटर्नशिप के दौरान प्राप्त अनुभव का लाभ उठाकर अपने करियर में नई उंचाइयों को प्राप्त करेंगे।

चयनित विद्यार्थियों को प्रतिमाह मिलेगा रुपये 10 हजार स्टाइपेंड

होटल और गेस्ट हाउस को मिले मोहलत

सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देने के लिए जाते व्यापारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृन्दावन। वृंदावन में चल रही सीलिंग की कार्रवाई को लेकर होटल और गेस्ट हाउस व्यवसायियों में उबाल है। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल वृंदावन के प्रतिनिधिमंडल ने सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपकर व्यवसायियों की समस्याओं से अवगत कराया। मांग की गई कि होटल- गेस्ट हाउस संचालकों को अपने प्रतिष्ठानों को निर्धारित मानकों के अनुरूप करने के लिए पर्याप्त समय प्रदान करने, व्यवसायियों के हितों को ध्यान में रखते हुए मानवीय- व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने की मांग की।

सिटी मजिस्ट्रेट ने प्रतिनिधिमंडल की बात को गंभीरता से सुना। उचित आश्वासन देते हुए आगे की कार्रवाई के संबंध में सकारात्मक मार्गदर्शन प्रदान किया। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल वृंदावन के नगर अध्यक्ष धनेंद्र अग्रवाल 'बॉबी', महामंत्री विजय राघव, संयुक्त महामंत्री शिवा गौतम, उपाध्यक्ष गिरधारी शर्मा, नगर मंत्री राहुल शुक्ला, सीएफसी व्यापार मंडल अध्यक्ष शाहिद कुरैशी आदि उपस्थित थे। इससे पहले वृन्दावन स्थित एक निजी होटल में गेस्ट हाउस संचालकों की बैठक हुई। इसमें लगभग 200 से 250 संचालकों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के नगर अध्यक्ष आलोक बंसल ने की। आज सभी व्यापारी सिटी मजिस्ट्रेट से मिले, साथ में रालोद नेता कुंवर नरेंद्र सिंह भी थे।

सिटी मजिस्ट्रेट को व्यापारियों ने दिया ज्ञापन

फॉक्सवैगन में बड़ी छंटनी एक लाख नौकरियां खतरे में

यूनिक समय, नई दिल्ली। जर्मनी की दिग्गज वाहन निर्माता कंपनी फॉक्सवैगन बड़े स्तर पर पुनर्गठन की तैयारी कर रही है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कंपनी आने वाले वर्षों में लगभग एक लाख कर्मचारियों की संख्या घटाने की योजना बना रही है। इसके साथ ही कई उत्पादन इकाइयों को बंद करने और परिचालन ढांचे में व्यापक बदलाव की भी तैयारी है। बताया जा रहा है कि कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ओलिवर ब्लूम बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्धा और घटते मुनाफे के बीच कारोबार को अधिक लाभदायक बनाना चाहते हैं। अमेरिका के टैरिफ, चीन में कमजोर मांग और इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने कंपनी पर दबाव बढ़ाया है। इसी कारण लागत कम करने की रणनीति अपनाई जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, फॉक्सवैगन पहले 2030 तक 50 हजार कर्मचारियों की संख्या कम करने की योजना पर काम कर रही थी, लेकिन अब यह आंकड़ा बढ़कर करीब एक लाख तक पहुंच सकता है। कंपनी में फिलहाल लगभग 6.57 लाख कर्मचारी कार्यरत हैं और 28 हजार कर्मचारी स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए सहमत हो चुके हैं। लागत में कमी लाने के लिए जर्मनी की कुछ फैक्ट्रियों को बंद करने पर भी विचार किया जा रहा है। कंपनी इस दशक के अंत तक लगभग 11 अरब यूरो के परिचालन खर्च में कटौती का लक्ष्य लेकर चल रही है। हालांकि इस संभावित योजना का कर्मचारी संगठनों और ट्रेड यूनियनों ने कड़ा विरोध शुरू कर दिया है और बड़े पैमाने पर छंटनी के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी दी है।

खर्च घटाने को फैक्ट्रियां बंद करने की तैयारी

कर्मचारी संगठनों ने फैसले का विरोध शुरू किया

शाम होते ही वीरान हो जाता है भानगढ़ किला

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजस्थान के अलवर जिले में अरावली की पहाड़ियों के बीच स्थित भानगढ़ किला भारत की सबसे रहस्यमयी जगहों में गिना जाता है। ऐतिहासिक महत्व और डरावनी कहानियों के कारण यह किला देश-विदेश के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने भी सुरक्षा कारणों से सूर्यास्त के बाद और सूर्योदय से पहले यहां प्रवेश पर रोक लगा रखी है। 17वीं शताब्दी में राजा मान सिंह प्रथम ने यह किला अपने पोते माधो सिंह के लिए बनवाया था। किले के चार विशाल द्वार, प्राचीन मंदिर, हवेलियां और महल आज भी इसकी भव्यता की कहानी बयां करते हैं। समय के साथ यह कभी आबाद रहने वाला नगर खंडहर में बदल गया। भानगढ़ को लेकर कई लोककथाएं प्रचलित हैं। सबसे प्रसिद्ध कथा एक तांत्रिक के श्राप से जुड़ी है, जिसके अनुसार उसकी मृत्यु के बाद पूरे नगर के उजड़ने का श्राप मिला। हालांकि, इन कहानियों का कोई वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है, लेकिन स्थानीय लोगों के बीच यह मान्यता आज भी जीवित है। सूरज ढलते ही किले के दरवाजे बंद कर दिए जाते हैं और रात में किसी को भीतर जाने की अनुमति नहीं होती। यही रहस्य, इतिहास और लोककथाओं का अनोखा मेल भानगढ़ को भारत के सबसे चर्चित पर्यटन स्थलों में शामिल करता है।

अब पूरा होगा पांच धाम दर्शन सपना

यूनिक समय, नई दिल्ली। धार्मिक यात्राओं के शौकीनों के लिए आईआरसीटीसी ने एक शानदार और किफायती तीर्थयात्रा पैकेज लॉन्च किया है। 'भारत गौरव स्पेशल टूरिस्ट ट्रेन' के जरिए श्रद्धालु मात्र 24,200 रुपये में देश के पांच प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन कर सकेंगे। यह विशेष यात्रा 29 अगस्त 2026 से शुरू होकर 10 सितंबर 2026 तक कुल 13 दिनों में पूरी होगी। इस आध्यात्मिक यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को अयोध्या, काशी, गया-बोधगया, गुवाहाटी और जगन्नाथ पुरी जैसे प्रसिद्ध तीर्थस्थलों के दर्शन कराए जाएंगे। इसके साथ ही राम जन्मभूमि, काशी विश्वनाथ मंदिर, कामाख्या मंदिर, विष्णुपद मंदिर, महाबोधि मंदिर, कोणार्क सूर्य मंदिर और लिंगराज मंदिर भी यात्रा का हिस्सा होंगे। इससे श्रद्धालुओं को एक ही पैकेज में कई महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों की यात्रा का अवसर मिलेगा। आईआरसीटीसी ने इस पैकेज को हर वर्ग के यात्रियों को ध्यान में रखकर तैयार किया है। स्लीपर क्लास का किराया 24,200 रुपये प्रति व्यक्ति रखा गया है, जबकि 3एसी और 2एसी के लिए भी अलग-अलग पैकेज उपलब्ध हैं। खास बात यह है कि सीट बुक कराने के लिए यात्रियों को शुरुआत में केवल 25 प्रतिशत राशि जमा करनी होगी, जबकि शेष भुगतान बाद में किया जा सकता है। यह एक ऑल-इनक्लूसिव पैकेज है, जिसमें ट्रेन यात्रा, होटल में ठहरने की व्यवस्था, शुद्ध शाकाहारी भोजन, स्थानीय भ्रमण के लिए बस सुविधा, प्रतिदिन रेल नीर की बोतलें, टूर एस्कॉर्ट, सुरक्षा व्यवस्था और ट्रैवल इंश्योरेंस जैसी सुविधाएं शामिल हैं। कम खर्च में कई प्रसिद्ध तीर्थस्थलों के दर्शन करने की इच्छा रखने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह पैकेज एक बेहतरीन अवसर साबित हो सकता है। यात्रा के दौरान धार्मिक आस्था के साथ-साथ विभिन्न सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थलों को करीब से देखने का भी मौका मिलेगा।

धूप की मार के बाद चेहरे पर लौटेगा निखार

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों की तेज धूप में लंबे समय तक रहने से त्वचा की प्राकृतिक चमक फीकी पड़ जाती है। टैनिंग, रूखापन और रंगत में बदलाव जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। ऐसे में महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स की बजाय कुछ आसान घरेलू उपाय त्वचा की देखभाल में मदद कर सकते हैं। नींबू में मौजूद विटामिन-सी और साइट्रिक एसिड त्वचा की रंगत निखारने में सहायक माने जाते हैं। एक चम्मच शहद में कुछ बूंदें नींबू का रस मिलाकर 10 से 15 मिनट तक चेहरे पर लगाएं और फिर सादे पानी से धो लें। इससे त्वचा को नमी मिलने के साथ टैनिंग कम करने में मदद मिल सकती है। दूसरे उपाय में ताजा एलोवेरा जेल में कुछ बूंदें नींबू का रस मिलाकर चेहरे पर लगाएं। करीब 15 मिनट बाद चेहरा धो लें। एलोवेरा त्वचा को ठंडक और नमी देता है, जबकि नींबू रंगत सुधारने में मदद करता है। संवेदनशील त्वचा वाले लोग इन उपायों को अपनाने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें। साथ ही धूप में निकलने से पहले सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें और किसी भी तरह की जलन या एलर्जी होने पर त्वचा विशेषज्ञ की सलाह लें।

मिनटों में तैयार होगी ठंडी फ्रूट रबड़ी

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मी और उमस भरे मौसम में ठंडी और मीठी चीजें खाने का मन अक्सर करता है। ऐसे में अगर आप बिना ज्यादा मेहनत के घर पर स्वादिष्ट डेजर्ट बनाना चाहते हैं, तो इंस्टेंट फ्रूट रबड़ी एक बेहतरीन विकल्प है। यह रेसिपी स्वाद के साथ पोषण भी देती है और कुछ ही मिनटों में तैयार हो जाती है। मखाना, दूध, ड्राई फ्रूट्स और ताजे फलों से बनने वाली यह मिठाई बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आती है।

खास बात यह है कि इसे किसी भी खास मौके, त्योहार या मेहमानों के स्वागत के लिए आसानी से तैयार किया जा सकता है। इसे बनाने के लिए 50 ग्राम मखाना, 1.5 लीटर फुल क्रीम दूध, एक चम्मच घी, चुटकीभर केसर, एक चम्मच वनीला एसेंस, दो-दो चम्मच कटे बादाम और काजू, तीन-चौथाई कप कंडेंस्ड मिल्क तथा सेब,

केला, अंगूर, चीकू और अनार जैसे ताजे फल लें। अपनी पसंद के अनुसार आम, कीवी या स्ट्रॉबेरी जैसे मौसमी फल भी शामिल किए जा सकते हैं। सबसे पहले मखानों को घी में हल्का सुनहरा और कुरकुरा होने तक भून लें। पूरी तरह ठंडा होने पर इन्हें मिक्सर में बारीक पीस लें। अब एक भारी तले वाले बर्तन में दूध उबालें और धीमी आंच पर 10 से 12 मिनट तक पकाएं, ताकि दूध थोड़ा गाढ़ा हो जाए। इसके बाद मखाना पाउडर, केसर, वनीला एसेंस और कटे हुए मेवे डालकर लगातार चलाते रहें। फिर कंडेंस्ड मिल्क मिलाकर मिश्रण को दो से तीन मिनट तक पकाएं, जब तक रबड़ी मनचाही गाढ़ी न हो जाए। अब रबड़ी को पूरी तरह ठंडा होने दें। इसे कुछ देर फ्रिज में रखने से इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है। परोसने से ठीक पहले कटे हुए ताजे फल मिलाएं, ताकि उनकी ताजगी और बनावट बनी रहे।

कैविटी से बचाएंगे ये घरेलू नुस्खे

यूनिक समय, नई दिल्ली। दांतों में कैविटी, दर्द, सेंसिटिविटी और सांसों की दुर्गंध जैसी समस्याएं आजकल आम हो गई हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, शुरुआती अवस्था में सही देखभाल और कुछ घरेलू उपाय अपनाकर इन समस्याओं को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। मुलेठी को दांतों के लिए लाभकारी माना जाता है। इसमें मौजूद प्राकृतिक तत्व कैविटी पैदा करने वाले बैक्टीरिया को कम करने में मदद करते हैं। इसकी डंडी को हल्का चबाने या मुलेठी की चाय पीने से लाभ मिल सकता है। ग्रीन टी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स मुंह में बैक्टीरिया की संख्या कम करने में सहायक होते हैं। इसके नियमित सेवन से सांसों की बदबू घट सकती है और दांतों की सफाई बेहतर बनी रहती है। इसके अलावा, नारियल तेल से की जाने वाली ऑयल पुलिंग भी एक पारंपरिक आयुर्वेदिक उपाय है। रोजाना 15 से 20 मिनट तक मुंह में तेल घुमाने से प्लाक कम करने, मसूड़ों को मजबूत बनाने और मुंह की दुर्गंध दूर करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, यदि कैविटी बढ़ चुकी हो या लगातार दर्द बना रहे, तो केवल घरेलू उपायों पर निर्भर रहने के बजाय दंत चिकित्सक से जांच और उचित उपचार कराना जरूरी है।

बचे चावल से बनाएं लाजवाब कुरकुरी टिक्की

यूनिक समय, नई दिल्ली। घर में अक्सर खाना खाने के बाद चावल बच जाते हैं। कई लोग इन्हें दोबारा खाना पसंद नहीं करते, जिसके कारण ये आखिर में फेंक दिए जाते हैं। अगर आपके घर में भी ऐसा होता है, तो अब बचे हुए चावलों को बेकार जाने देने की जरूरत नहीं है। इन्हीं चावलों से आप स्वादिष्ट, कुरकुरी और बाजार जैसी सूजी-राइस टिक्की तैयार कर सकते हैं। यह रेसिपी कम समय में बन जाती है और स्वाद ऐसा होता है कि बच्चे ही नहीं, बड़े भी बार-बार इसकी फरमाइश करेंगे। शाम की चाय, मेहमानों की आवभगत या बच्चों के टिफिन के लिए भी यह बेहतरीन विकल्प है। इन चीजों की होगी जरूरत टिक्की बनाने के लिए एक कटोरी बचे हुए चावल, आधा कप सूजी, एक उबला और मैश किया हुआ आलू, बारीक कटा प्याज, हरी मिर्च, अदरक, हरा धनिया, लाल मिर्च पाउडर, चाट मसाला, नमक और दो चम्मच कॉर्नफ्लोर लें। चाहें तो स्वाद बढ़ाने के लिए थोड़ा गरम मसाला और काली मिर्च पाउडर भी मिला सकते हैं। यदि मिश्रण ज्यादा सूखा लगे तो उसमें थोड़ा दही या थोड़ा-सा पानी डालकर मुलायम कर लें। ऐसे करें मिश्रण तैयार सभी सामग्री को अच्छी तरह मिलाने के बाद मिश्रण को करीब 10 से 15 मिनट तक ढककर रख दें। इससे सूजी फूल जाएगी और टिकिकयां बनाने में आसानी होगी। इसके बाद हाथों पर थोड़ा तेल लगाकर मिश्रण से छोटी-छोटी गोल या चपटी टिक्कियां तैयार कर लें। कोशिश करें कि सभी टिक्कियों का आकार एक जैसा हो, ताकि वे समान रूप से पकें। धीमी आंच पर मिलेगा बेहतरीन स्वाद एक नॉन-स्टिक तवे पर थोड़ा तेल गर्म करें और टिक्कियों को धीमी से मध्यम आंच पर दोनों तरफ से सुनहरा और कुरकुरा होने तक सेंकें। अगर आप ज्यादा क्रिस्पी स्वाद चाहते हैं, तो इन्हें हल्का शैलो फ्राई भी कर सकते हैं। ध्यान रखें कि आंच तेज न हो, वरना टिक्की बाहर से जल सकती है और अंदर से कच्ची रह जाएगी। चटनी के साथ बढ़ जाएगा मजा गरमा-गरम टिक्कियों को हरी धनिया की चटनी, टमाटर सॉस, इमली की चटनी या दही के साथ परोसें। चाहें तो ऊपर से थोड़ा चाट मसाला और बारीक कटा हरा धनिया छिड़क दें। बाहर से कुरकुरी और अंदर से मुलायम ये टिक्किया स्वाद में बिल्कुल बाजार जैसी लगती हैं। बचे चावल का स्वादिष्ट इस्तेमाल इस आसान रेसिपी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इससे बचे हुए चावलों का सही उपयोग हो जाता है। बिना ज्यादा खर्च किए घर में स्वादिष्ट और पौष्टिक नाश्ता तैयार किया जा सकता है।

गर्मी में कौन बनेगा सेहत का असली हीरो

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों में लौकी और तोरी दोनों ही सेहत के लिए फायदेमंद मानी जाती हैं। इनमें पानी की मात्रा अधिक होने से शरीर हाइड्रेट रहता है और पाचन भी बेहतर होता है। लौकी में कैलोरी कम, फाइबर, विटामिन सी और पोटेशियम भरपूर होते हैं, जिससे वजन नियंत्रित रखने और शरीर को ठंडक पहुंचाने में मदद मिलती है। वहीं, तोरी में विटामिन ए, सी, मैग्नीशियम और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो त्वचा, आंखों और रोग प्रतिरोधक क्षमता के लिए लाभदायक हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, वजन घटाने के लिए लौकी बेहतर मानी जाती है, जबकि त्वचा और पाचन के लिए तोरी भी उतनी ही उपयोगी है।

संतुलित पोषण के लिए दोनों सब्जियों को बारी-बारी से भोजन में शामिल करना सबसे अच्छा विकल्प माना जाता है।

दोनों सब्जियां पोषण से भरपूर

सुविचार

मुस्कुराहट सबसे खूबसूरत भाषा है।

कल का पंचांग

तिथि	प्रतिपदा	05:26-07:38 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा	01:08-04:03 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:31 AM	चन्द्रोदय	07:52 PM
सूर्यास्त		7:14 PM	चंद्रास्त	06:17 AM
सूर्य राशि		मिथुन राशि	चंद्र	धनु राशि
शुभ मुहूर्त		11:45AM -12:50 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		03:48 AM: 05:31 PM	वार	मंगलवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: कल आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। खर्च सोच-समझकर करें, सेहत का विशेष ध्यान रखें।

वृषभ: आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रुके हुए कार्य पूरे होंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी, विवादों से दूरी बनाए रखें।

मिथुन: नौकरी और व्यापार में नए अवसर मिलेंगे। परिवार में खुशियां रहेंगी। धैर्य से काम लें, जल्दबाजी नुकसान पहुंचा सकती है।

कर्क: भाग्य का साथ मिलेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। पुराने निवेश लाभ देंगे। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, सकारात्मक सोच बनाए रखें।

सिंह: कार्यस्थल पर सम्मान मिलेगा। नए लोगों से संपर्क लाभदायक रहेगा। अनावश्यक खर्च से बचें। परिवार के साथ समय बिताएं।

कन्या: व्यापार में लाभ के संकेत हैं। दांपत्य जीवन मधुर रहेगा। मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। सेहत को नजरअंदाज न करें।

तुला: रुके हुए काम पूरे होंगे। आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। रिश्तों में मधुरता आएगी। वाहन चलाते समय सावधानी रखें।

वृश्चिक: नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आत्मविश्वास बढ़ेगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। निवेश सोच-समझकर करें, स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

धनु: यात्रा के योग बनेंगे। परिवार का सहयोग मिलेगा। नौकरी में प्रगति होगी। सकारात्मक सोच से सभी कार्य सफल होंगे।

मकर: कार्यक्षेत्र में नई उपलब्धि मिल सकती है। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा। धैर्य और संयम बनाए रखें।

कुंभ: नए कार्यों की शुरुआत शुभ रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। धन लाभ के योग हैं। खानपान और स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मीन: मन प्रसन्न रहेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। व्यापार में लाभ मिलेगा। परिवार के साथ सुखद समय बिताने का अवसर मिलेगा।

हर मौसम में कंबल बना नीम करोली बाबा की पहचान

सादगी, सेवा और त्याग का अनोखा प्रतीक बना कंबल

आस्था से जुड़ी मान्यताओं ने बढ़ाई कंबल की महिमा

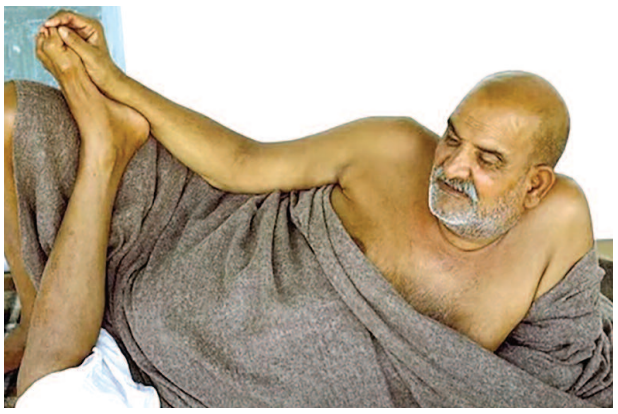

यूनिक समय, मथुरा। भारत के प्रसिद्ध संत नीम करोली बाबा का जीवन आज भी करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए प्रेरणा का स्रोत माना जाता है। उनकी सादगी, सेवा और आध्यात्मिक जीवनशैली से जुड़े अनेक प्रसंग प्रचलित हैं। इन्हीं में से एक उनकी सबसे अलग पहचान रही–हर मौसम में कंधों पर ओढ़ा रहने वाला साधारण कंबल। चाहे भीषण गर्मी हो, कड़ाके की ठंड या बरसात, बाबा अक्सर इसी कंबल में नजर आते थे। इसे लेकर आज भी लोगों में जिज्ञासा बनी हुई है।

इतिहास में ऐसा कोई प्रमाणित विवरण उपलब्ध नहीं है, जिसमें यह बताया गया हो कि बाबा हर समय कंबल क्यों ओढ़ते थे। स्वयं उन्होंने भी इसके पीछे कोई विशेष कारण सार्वजनिक रूप से नहीं बताया। इसलिए इससे जुड़ी अधिकांश बातें उनके भक्तों के अनुभवों और धार्मिक मान्यताओं पर आधारित हैं।

श्रद्धालुओं का मानना है कि बाबा का कंबल केवल पहनने का वस्त्र नहीं, बल्कि सादगी और त्याग का संदेश था। उनका जीवन इस बात का उदाहरण माना जाता है कि व्यक्ति की पहचान उसके पहनावे से नहीं, बल्कि उसके विचारों, सेवा और व्यवहार से होती है। यही कारण है कि उनका साधारण कंबल समय के साथ उनकी पहचान बन गया। बाबा के निकट रहे कुछ भक्तों के संस्मरणों में उ लेख मिलता है कि उनके कंबल को लेकर कई रोचक अनुभव सामने आए। कुछ लोगों ने इसे हल्का तो कुछ ने असामान्य रूप से भारी महसूस करने का दावा किया। कई श्रद्धालुओं ने इसमें विशेष सुगंध का अनुभव भी बताया। हालांकि इन बातों का कोई वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है और इन्हें केवल व्यक्तिगत आस्था के रूप में ही देखा जाता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

धार्मिक मान्यता के अनुसार बाबा का कंबल करुणा, संरक्षण और निस्वार्थ सेवा का प्रतीक भी माना जाता है। यही वजह है कि आज भी उनके आश्रमों में श्रद्धालु कंबल अर्पित करते हैं या जरूरतमंदों को कंबल दान कर उनकी शिक्षाओं का पालन करने का प्रयास करते हैं। आध्यात्मिक जानकारों का मानना है कि नीम करोली बाबा का जीवन यह संदेश देता है कि सच्ची महानता बाहरी वैभव में नहीं, बल्कि विनम्रता, प्रेम और सेवा भाव में होती है। उनका साधारण कंबल आज भी श्रद्धालुओं के लिए त्याग, सादगी और मानव सेवा का प्रेरक प्रतीक बना हुआ है।

अमरनाथ यात्रा पर निकलें तो तैयारी पूरी करके ही जाएं

जरूरी दस्तावेज और दवाइयां साथ रखना अनिवार्य

यूनिक समय, मथुरा। बाबा बर्फानी के पवित्र दर्शन के लिए 3 जुलाई से अमरनाथ यात्रा शुरू होने जा रही है, जो 28 अगस्त (रक्षाबंधन) तक चलेगी। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु कठिन पर्वतीय रास्तों से होकर पवित्र गुफा तक पहुंचते हैं। ऐसे में सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा के लिए पहले से सही तैयारी करना बेहद जरूरी है।

अमरनाथ यात्रा ऊंचाई वाले क्षेत्र में होती है, जहां मौसम पलभर में बदल सकता है। इसलिए यात्रियों को थर्मल इनर, ऊनी स्वेटर, वाटरप्रूफ जैकेट, दस्ताने, ऊनी टोपी, मफलर, अतिरिक्त मोजे और रेनकोट या पोंचो अपने साथ अवश्य रखना चाहिए।

यदि किसी यात्री को ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, अस्थमा या अन्य बीमारी है तो नियमित दवाइयों के साथ डॉक्टर का प्रिस्क्रिप्शन भी रखना जरूरी है। फर्स्ट एड किट में बुखार, दर्द, सर्दी-जुकाम, उल्टी-दस्त की दवा, बैंडेज, एंटीसेप्टिक क्रीम और ओआरएस रखना भी उपयोगी रहेगा।

यात्रा के दौरान यात्रा पंजीकरण प्रमाणपत्र, कंपलसरी हेल्थ सर्टिफिकेट और आधार कार्ड या अन्य वैध पहचान पत्र साथ रखना अनिवार्य है। इनके प्रिंट के साथ मोबाइल में डिजिटल कॉपी भी सुरक्षित रखें।

यात्रा के लिए टॉर्च, पावर बैंक, मोबाइल चार्जर, धूप का चश्मा, सनस्क्रीन, पानी की बोतल, सूखे मेवे, एनर्जी बार और ग्लूकोज भी साथ रखें। वहीं भारी सामान, महंगे गहने, अधिक नकदी, नशीले पदार्थ और प्लास्टिक कचरे से बचें।

प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि ऊंचाई पर जल्दबाजी न करें, पर्याप्त पानी पीते रहें, समय-समय पर आराम करें और सुरक्षा बलों के निर्देशों का पालन करें। यदि सांस लेने में परेशानी, चक्कर या सीने में दर्द महसूस हो तो तुरंत मेडिकल सहायता लें। सही तैयारी और सावधानी आपकी अमरनाथ यात्रा को सुरक्षित, सफल और यादगार बना सकती है।

गलत तरीके से मंदिर में घंटी बजाना पड़ सकता है भारी

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में मंदिर में प्रवेश करते समय और पूजा के दौरान घंटी बजाने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। धार्मिक मान्यता है कि घंटी की मधुर ध्वनि से वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और भक्त का मन एकाग्र होकर भगवान की भक्ति में लग जाता है।

मान्यता के अनुसार मंदिर में प्रवेश करते समय घंटी बजाकर श्रद्धालु अपने आराध्य के समक्ष अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं। कहा जाता है कि घंटी की ध्वनि नकारात्मकता को दूर कर मन में पवित्रता और श्रद्धा का भाव उत्पन्न करती है, जिससे पूजा अधिक मनोयोग से की जा सकती है। धार्मिक नियमों के अनुसार मंदिर में प्रवेश करते समय घंटी दो से तीन बार मधुर स्वर में बजानी चाहिए। बहुत तेज या कर्कश आवाज में घंटी बजाना उचित नहीं माना जाता। वहीं आरती के समय घंटी पूरे समय बजाई जाती है और उसका स्वर आरती की लय के अनुरूप होना चाहिए।

शास्त्रों में यह भी माना गया है कि पूजा पूरी होने के बाद मंदिर से बाहर निकलते समय घंटी नहीं बजानी चाहिए। इसके अलावा दोपहर के समय, जब कई मंदिरों में भगवान के विश्राम का समय माना जाता है, उस दौरान घंटी बजाना वर्जित माना गया है। कुछ मंदिरों में गर्भगृह की घंटी बजाने के लिए भी विशेष नियम और निर्धारित समय होते हैं।

ज्योतिष: कुंडली संवारनी है तो पहले मजबूत करें यह ग्रह

चंद्रमा मजबूत तो मन रहेगा हमेशा स्थिर और शांत

सूर्य और लग्नेश बढ़ाएंगे आत्मविश्वास सफलता, सम्मान

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिष शास्त्र में अक्सर लोग अपनी कुंडली के दोष दूर करने के लिए अलग-अलग ग्रहों के उपाय करते हैं, लेकिन विद्वानों का मानना है कि किसी भी उपाय की शुरुआत कुंडली की मजबूत नींव से होनी चाहिए। ज्योतिष के अनुसार चंद्रमा, सूर्य और लग्नेश ऐसे तीन प्रमुख ग्रह हैं, जिन्हें मजबूत किए बिना अन्य उपायों का पूरा लाभ नहीं मिल पाता। इन ग्रहों को संतुलित करने से मानसिक शांति, आत्मविश्वास और जीवन में सकारात्मक बदलाव आने की मान्यता है।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार चंद्रमा मन, भावनाओं और मानसिक संतुलन का कारक माना जाता है। यदि चंद्रमा कमजोर हो तो व्यक्ति छोटी-छोटी बातों में तनाव लेने लगता है, निर्णय लेने में कठिनाई महसूस करता है और आत्मविश्वास भी प्रभावित होता है। वहीं मजबूत चंद्रमा व्यक्ति को धैर्य, सकारात्मक सोच और रिश्तों में मधुरता प्रदान करता है। चंद्रमा को मजबूत करने के लिए भगवान शिव की पूजा, शिवलिंग पर जल अर्पित करना तथा नियमित रूप से "ॐ नमः शिवाय" मंत्र का जाप शुभ माना गया है।

सूर्य को ग्रहों का राजा कहा जाता है। यह आत्मबल, नेतृत्व क्षमता, सम्मान, स्वास्थ्य और प्रतिष्ठा का प्रतिनिधित्व करता है। ज्योतिष के अनुसार कमजोर सूर्य होने पर व्यक्ति को मेहनत के बावजूद अपेक्षित पहचान नहीं मिलती और आत्मविश्वास में कमी महसूस होती है। सूर्य को मजबूत करने के लिए प्रतिदिन सूर्योदय के समय तांबे के लोटे से जल अर्पित करना, पिता का सम्मान करना तथा अनुशासित जीवनशैली अपनाना लाभकारी माना गया है। वहीं लग्नेश को कुंडली का सबसे महत्वपूर्ण ग्रह माना जाता है। यह व्यक्ति के व्यक्तित्व, स्वास्थ्य, सोच और जीवन की दिशा को प्रभावित करता है। प्रत्येक व्यक्ति का लग्नेश उसकी जन्म कुंडली के अनुसार अलग होता है, इसलिए इसके उपाय भी व्यक्तिगत होते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि लग्नेश को मजबूत करने के लिए संबंधित ग्रह के मंत्रों का जाप, शुभ रंगों का प्रयोग और सदाचार अपनाना लाभदायक रहता है।

ज्योतिषाचार्यों का मानना है कि यदि जीवन में करियर, विवाह, संतान, स्वास्थ्य या आर्थिक समस्याएं गंभीर हों तो केवल सामान्य उपायों पर निर्भर रहने के बजाय किसी योग्य ज्योतिषाचार्य से कुंडली का विस्तृत विश्लेषण कराना उचित रहता है। मजबूत चंद्रमा, सूर्य और लग्नेश को जीवन में सफलता और सकारात्मक ऊर्जा की मजबूत नींव माना गया है।

सम्पादकीय

तबादला नहीं, व्यवस्था बदलने की अब सबसे बड़ी जरूरत

सरकारी नौकरी में तबादला एक सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया है, लेकिन जब यह प्रक्रिया नियमों के बजाय सिफारिश, प्रभाव और विवेकाधिकार पर निर्भर दिखने लगे तो सवाल केवल कर्मचारियों का नहीं, पूरी व्यवस्था का बन जाता है। राजस्थान में तबादला नीति को लेकर उठी बहस उत्तर प्रदेश के लिए भी उतनी ही प्रासंगिक है।

पवन गौतम
संपादक

क्योंकि यहां भी हर तबादला सत्र के दौरान पारदर्शिता, निष्पक्षता और मनमानी को लेकर चर्चाएं तेज हो जाती हैं।

उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है। यहां शिक्षा, स्वास्थ्य, पुलिस, राजस्व और पंचायत जैसे विभागों में लाखों कर्मचारी कार्यरत हैं। ऐसे विशाल प्रशासनिक ढांचे में यदि तबादलों के स्पष्ट और स्थायी नियम नहीं होंगे तो विवाद, असंतोष और आरोप–प्रत्यारोप स्वाभाविक हैं। यही कारण है कि हर वर्ष तबादलों के साथ राजनीतिक सिफारिशों, पसंदीदा तैनाती और असंतुष्ट कर्मचारियों की खबरें भी सामने आती रहती हैं।

दरअसल, किसी भी कर्मचारी की कार्यक्षमता इस बात पर निर्भर करती है कि उसे निष्पक्ष वातावरण मिले। यदि किसी को लगता है कि उसकी मेहनत से अधिक महत्व उसकी पहुंच या सिफारिश को मिलेगा, तो उसका मनोबल कमजोर होना तय है। इसका सीधा असर सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता पर पड़ता है और अंततः आम जनता को इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। आज तकनीक के दौर में तबादला प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और अंक आधारित बनाया जा सकता है। सेवा अवधि, कठिन क्षेत्र में कार्यकाल, स्वास्थ्य, दिव्यांगता, पारिवारिक परिस्थितियां और रिक्त पद जैसे मानकों के आधार पर ऑनलाइन स्थानांतरण प्रणाली विकसित की जा सकती है। इससे निर्णय पारदर्शी होंगे और विवाद स्वतः कम हो जाएंगे। कर्मचारी भी यह महसूस करेंगे कि उनका भविष्य किसी व्यक्ति की इच्छा नहीं, बल्कि तय नियमों के अनुसार तय हो रहा है। उत्तर प्रदेश में ई–गवर्नेंस को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। ऐसे में अब समय आ गया है कि तबादला व्यवस्था भी उसी सोच के अनुरूप आधुनिक और पारदर्शी बने। स्थायी नीति केवल कर्मचारियों को राहत नहीं देगी, बल्कि सरकार की विश्वसनीयता भी मजबूत करेगी। प्रशासन तभी प्रभावी माना जाएगा, जब पदस्थापन का आधार सिफारिश नहीं, योग्यता और नियम होंगे। व्यवस्था की असली सफलता इसी में है कि तबादलों का मौसम विवाद नहीं, विश्वास लेकर आए।

स्कैन करें
संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

सोने की गिरावट से परिवार बेचने लगे पुराने गहने

बोध प्रकाश सगुणी

भारत में सोना केवल एक धातु नहीं, बल्कि परंपरा, सुरक्षा और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। वर्षों से भारतीय परिवार मुश्किल समय के लिए सोने को सबसे सुरक्षित निवेश समझते आए हैं। शादी–ब्याह हो, त्योहार हों या भविष्य की बचत, सोना हर घर की आर्थिक संस्कृति का हिस्सा रहा है। लेकिन इन दिनों तस्वीर कुछ बदली हुई नजर आ रही है। पहली बार बड़ी संख्या में लोग नया सोना खरीदने के बजाय पुराने गहने बेचकर नकदी जुटाने में अधिक रुचि दिखा रहे हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह है सोने की कीमतों में आई गिरावट और आगे भी कीमतें कम होने की आशंका।

हाल के महीनों में सोने ने रिकॉर्ड ऊंचाइयों को छुआ था। जिन परिवारों ने वर्षों पहले कम कीमत पर सोना खरीदा था, उन्हें लगा कि अब मुनाफा कमाने का सबसे अच्छा समय है। जैसे ही कीमतों में गिरावट शुरू हुई, लोगों के मन में यह डर बैठ गया कि यदि और इंतजार किया तो उनके गहनों की कीमत और कम हो जाएगी। यही कारण है कि बड़ी संख्या में लोग पुराने गहने बेचकर तुरंत नकदी लेना बेहतर समझ रहे हैं।

दिलचस्प बात यह है कि पहले ग्राहक पुराने गहनों के बदले नए गहने बनवाते थे। अब यह प्रवृत्ति तेजी से बदल रही है। लोग पुराने आभूषण सीधे ज्वेलर्स या गोल्ड रीसाइक्लिंग कंपनियों को बेच रहे हैं। इसका अर्थ यह भी है कि उपभोक्ताओं की सोच केवल भावनात्मक नहीं रही, बल्कि अब वे आर्थिक गणित को भी महत्व देने लगे हैं।

सोने के बाजार में यह बदलाव केवल घरेलू कारणों से नहीं आया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कई ऐसे कारक हैं, जिन्होंने सोने की चमक को कुछ समय के लिए फीका कर दिया है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की संभावित ब्याज दर वृद्धि, डॉलर की मजबूती, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और निवेशकों का दूसरे विकल्पों की ओर झुकाव–इन सभी ने सोने की कीमतों पर दबाव बनाया है। जब ब्याज दरें बढ़ती हैं तो निवेशक ऐसे विकल्पों की ओर आकर्षित होते हैं, जहां नियमित रिटर्न मिलता है। ऐसे में सोने की मांग कुछ समय के लिए कमजोर पड़ जाती है।

भारत जैसे देश में इसका असर सबसे अधिक दिखाई देता है, क्योंकि यहां दुनिया के सबसे बड़े सोना उपभोक्ताओं में से एक आबादी रहती है। देश अपनी अधिकांश जरूरत आयात के जरिए पूरी करता है। यदि घरेलू स्तर पर पुराने सोने की बिक्री और रीसाइक्लिंग बढ़ती है तो आयात पर निर्भरता कुछ हद तक कम हो सकती है। इससे विदेशी मुद्रा की बचत भी होगी और देश के व्यापार संतुलन को भी फायदा मिल सकता है।

पुराने सोने की बिक्री में बढ़ोतरी का एक सकारात्मक पहलू भी सामने आया है। संगठित गोल्ड रीसाइक्लिंग उद्योग तेजी से मजबूत हो रहा है। पहले लोग छोटे–मोटे सर्राफों के पास जाकर बिना पारदर्शिता के गहने बेच देते थे। अब प्रमाणित संस्थानों के माध्यम से सोने की जांच, शुद्धता का आकलन और उचित भुगतान जैसी सुविधाएं उपलब्ध होने लगी हैं। इससे ग्राहकों का भरोसा भी बढ़ा है और बाजार अधिक व्यवस्थित बन रहा है। हालांकि इस पूरी स्थिति का दूसरा पक्ष भी है। कई विशेषज्ञ मानते हैं कि केवल कीमतों के उतार–चढ़ाव को देखकर सोना बेच देना हमेशा समझदारी नहीं होती। सोना लंबे समय से महंगाई, आर्थिक संकट और वैश्विक तनाव के दौरान सबसे सुरक्षित निवेश माना जाता रहा है। शेयर बाजार में गिरावट हो या अंतरराष्ट्रीय संकट, ऐसे समय में अक्सर सोने की कीमतें दोबारा मजबूत होती देखी गई हैं। इसलिए यदि किसी परिवार को तत्काल धन की आवश्यकता नहीं है, तो केवल बाजार के डर के कारण जल्दबाजी में फैसला लेना उचित नहीं माना जाता।

भारतीय परिवारों के लिए सोने का महत्व केवल निवेश तक सीमित नहीं है। कई गहनों से भावनात्मक यादें जुड़ी होती हैं। पीढ़ियों से चली आ रही पारिवारिक धरोहरें, विवाह के गहने और धार्मिक अवसरों पर मिले आभूषण केवल आर्थिक संपत्ति नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विरासत भी होते हैं। ऐसे में उन्हें बेचने का निर्णय सोच–समझकर ही लेना चाहिए।

यह भी ध्यान रखना होगा कि हर गिरावट स्थायी नहीं होती। बाजार में तेजी और मंदी दोनों चक्र का हिस्सा हैं। जो निवेशक केवल डर के आधार पर निर्णय लेते हैं, वे कई बार भविष्य के संभावित लाभ से भी वंचित रह जाते हैं। वहीं जिन लोगों ने अपनी वास्तविक जरूरत, वित्तीय योजना और दीर्घकालिक लक्ष्य को ध्यान में रखकर निर्णय लिया, वे अधिक संतुलित स्थिति में रहते हैं।

आज की सबसे बड़ी सीख यही है कि निवेश भावनाओं या अफवाहों से नहीं, बल्कि जानकारी और योजना के आधार पर होना चाहिए। यदि घर में ऐसा सोना रखा है जिसका वर्षों से कोई उपयोग नहीं हो रहा और तत्काल धन की जरूरत है, तो मौजूदा कीमतों पर उसे बेचने का निर्णय व्यावहारिक हो सकता है। लेकिन यदि सोना भविष्य की सुरक्षा या दीर्घकालिक निवेश का हिस्सा है, तो केवल बाजार में आई अस्थायी गिरावट से घबराकर उसे बेच देना सही रणनीति नहीं कही जा सकती।

सोने का बदलता बाजार हमें यह भी सिखा रहा है कि समय के साथ निवेश की सोच बदल रही है। भारतीय उपभोक्ता अब पहले से अधिक जागरूक, गणनाशील और बाजार की गतिविधियों पर नजर रखने वाले बन चुके हैं। आने वाले वर्षों में यही जागरूकता निवेश संस्कृति को और अधिक परिपक्व बनाएगी। आखिरकार, किसी भी निवेश की असली चमक उसकी कीमत में नहीं, बल्कि सही समय पर लिए गए संतुलित निर्णय में छिपी होती है।

विचार विंडो

पश्चिम एशिया संकट और भारतीय स्टार्टअप्स की नई चुनौती

राम प्रकाश शर्मा

भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम पिछले एक दशक में दुनिया के सबसे तेजी से विकसित होने वाले नवाचार तंत्रों में शामिल हुआ है। तकनीक, फिनटेक, ई–कॉमर्स, हेल्थटेक, एडटेक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में भारतीय स्टार्टअप्स ने न केवल घरेलू बाजार में अपनी मजबूत पहचान बनाई है, बल्कि वैश्विक निवेशकों का भी भरोसा जीता है। यही कारण है कि भारत आज अमेरिका और चीन के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप हब माना जाता है। लेकिन वैश्विक अर्थव्यवस्था की तरह स्टार्टअप जगत भी अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों से अछूता नहीं है। पश्चि म एशिया में बढ़ता तनाव और भू–राजनीतिक अस्थिरता अब भारतीय स्टार्टअप्स के लिए भी नई चुनौती बनकर सामने आई है। पिछले कुछ वर्षों में खाड़ी देशों ने भारतीय स्टार्टअप्स में बड़े पैमाने पर निवेश किया। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर जैसे देशों के सॉवरेन वेल्थ फंड्स ने भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की संभावनाओं को देखते हुए अरबों डॉलर का निवेश किया। इन निवेशों ने अनेक भारतीय कंपनियों को विस्तार करने, नई तकनीक विकसित करने और वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा करने का अवसर दिया। लेकिन वर्तमान संकट ने निवेशकों की प्राथमिकताओं को बदल दिया है।

जब किसी क्षेत्र में युद्ध, राजनीतिक अस्थिरता या सुरक्षा संकट पैदा होता है तो सरकारों और बड़े निवेशकों का पहला लक्ष्य अपनी घरेलू अर्थव्यवस्था और वित्तीय स्थिरता को सुरक्षित रखना होता है। पश्चिम एशिया में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है। रक्षा खर्च बढ़ाने, ऊ र्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने और घरेलू विकास परियोजनाओं को प्राथमिकता देने के कारण विदेशी निवेश की गति धीमी पड़ रही है। इसका सीधा असर भारतीय स्टार्टअप्स की फंडिंग पर दिखाई देने लगा है। स्टार्टअप उद्योग पहले ही वर्ष 2022 और 2023 के दौरान वैश्विक 'फंडिंग विंटर' का सामना कर चुका है। वर्ष 2025 में निवेश में कुछ सुधार दिखाई दिया था और उम्मीद जगी थी कि भारतीय स्टार्टअप्स फिर से तेज रफ्तार पकड़ेंगे। लेकिन पश्चिम एशिया संकट ने इस उम्मीद को फिर झटका दिया है। निवेशक अब जोखिम लेने से बच रहे हैं और केवल उन्हीं कंपनियों में निवेश कर रहे हैं जिनका बिजनेस मॉडल मजबूत, लाभदायक और दीर्घकालिक हो। स्टार्टअप जगत में केवल पूंजी जुटाना ही सफलता का पैमाना नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में 'बर्न कैश, ग्रो फास्ट' यानी अधिक खर्च करके तेजी से विस्तार करने की रणनीति अपनाई गई। निवेशकों के पास पर्याप्त पूंजी थी, इसलिए घाटे में चल रही कंपनियां भी लगातार फंडिंग जुटा लेती थीं। लेकिन आज परिस्थितियां बदल चुकी हैं। अब निवेशक लाभप्रदता, नकदी प्रबंधन और स्थायी विकास को अधिक महत्व दे रहे हैं। ऐसे में केवल आकर्षक प्रस्तुति या ऊं चे मूल्यांकन के आधार पर निवेश जुटाना आसान नहीं रह गया है।

पश्चिम एशिया संकट का प्रभाव केवल प्रत्यक्ष निवेश तक सीमित नहीं है। इसका असर वैश्विक तेल कीमतों, मुद्रास्फीति और ब्याज दरों पर भी पड़ता है। यदि कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो अधिकांश देशों में महंगाई बढ़ने लगती है। महंगाई को नियंत्रित करने के लिए केंद्रीय बैंक ब्याज दरों को ऊंचा बनाए रखते हैं। ऊंची ब्याज दरों के दौर में वैश्विक निवेशक जोखिम वाले स्टार्टअप्स की बजाय सुरक्षित सरकारी बॉन्ड और निश्चित आय वाले निवेश विकल्पों को प्राथमिकता देते हैं। परिणामस्वरूप विकासशील देशों में पूंजी का प्रवाह कम हो जाता है।

भारत के लिए यह स्थिति चिंता का विषय जरूर है, लेकिन इसे अवसर में भी बदला जा सकता है। सबसे पहले भारतीय स्टार्टअप्स को विदेशी निवेश पर अत्यधिक निर्भरता कम करनी होगी। घरेलू निवेशकों, फैमिली ऑफिस, कॉर्पोरेट वेंचर फंड और भारतीय संस्थागत निवेशकों की भूमिका को मजबूत करना समय की आवश्यकता है। यदि देश के भीतर पूंजी उपलब्ध होगी तो वैश्विक संकटों का असर अपेक्षाकृत कम होगा। सरकार भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। स्टार्टअप इंडिया, फंड ऑफ फंड्स, डिजिटल इंडिया और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन जैसी योजनाओं ने पहले ही सकारात्मक परिणाम दिए हैं। अब आवश्यकता इस बात की है कि शुरुआती चरण के स्टार्टअप्स को सस्ती पूंजी, आसान ऋण, अनुसंधान सहायता और बाजार तक पहुंच उपलब्ध कराई जाए। विशेष रूप से डीप टेक, सेमीकंडक्टर, रक्षा तकनीक, कृषि तकनीक और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालिक निवेश को प्रोत्साहित करना चाहिए। भारतीय उद्यमियों को भी अपनी सोच में बदलाव लाना होगा। केवल 'यूनिकॉर्न' बनने की दौड़ में शामिल होने के बजाय उन्हें टिकाऊव्यवसाय मॉडल विकसित करने पर ध्यान देना चाहिए। सीमित संसाधनों में बेहतर उत्पाद, संतुलित खर्च, मजबूत नकदी प्रबंधन और वास्तविक ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप समाधान ही भविष्य की सफलता का आधार बनेंगे। राजस्व के स्रोतों का विविधीकरण भी अत्यंत आवश्यक है। यदि कोई स्टार्टअप केवल एक देश, एक बाजार या एक निवेशक समूह पर निर्भर रहेगा तो वैश्विक संकट का असर उस पर अधिक पड़ेगा। भारतीय कंपनियों को दक्षिण–पूर्व एशिया, यूरोप, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे नए बाजारों में भी अवसर तलाशने होंगे। इससे जोखिम का संतुलन बना रहेगा। आज भारत के पास विशाल घरेलू बाजार, युवा आबादी, डिजिटल भुगतान प्रणाली, मजबूत आईटी प्रतिभा और नवाचार की संस्कृति जैसी अनेक ताकतें मौजूद हैं। यही कारण है कि वैश्विक निवेशकों का भारत पर भरोसा पूरी तरह खत्म नहीं होगा। हालांकि वर्तमान परिस्थितियों में निवेश का प्रवाह धीमा हो सकता है, लेकिन जिन स्टार्टअप्स के पास स्पष्ट व्यावसायिक रणनीति, मजबूत प्रबंधन और लाभदायक मॉडल होगा, वे भविष्य में भी निवेश आकर्षित करने में सफल रहेंगे। पश्चिम एशिया का संकट यह याद दिलाता है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में कोई भी देश पूरी तरह अलग–थलग नहीं रह सकता। युद्ध, ऊर्जा संकट, महंगाई और वित्तीय अस्थिरता का प्रभाव सीमाओं से परे जाकर हर क्षेत्र को प्रभावित करता है। भारतीय स्टार्टअप्स के लिए यह समय घबराने का नहीं, बल्कि आत्ममंथन करने का है। वित्तीय अनुशासन, नवाचार, घरेलू पूंजी को बढ़ावा और दीर्घकालिक रणनीति अपनाकर भारत न केवल इस चुनौती का सामना कर सकता है, बल्कि भविष्य में और अधिक मजबूत स्टार्टअप इकोसिस्टम भी विकसित कर सकता है। किसी भी संकट की सबसे बड़ी सीख यही होती है कि टिकाऊ विकास केवल तेज गति से नहीं, बल्कि मजबूत आधार पर खड़ा होता है। भारतीय स्टार्टअप्स यदि इस सिद्धांत को अपनाते हैं, तो वर्तमान की कठिनाइयां भविष्य की सफलता का मार्ग प्रशस्त कर सकती हैं।

आयरलैंड से हार के बाद टीम इंडिया को बड़ा झटका

आईसीसी रैंकिंग में गिरावट से टॉप कुर्सी खतरे में

यूनिक समय, नई दिल्ली। आयरलैंड के खिलाफ दो टी-20 मैचों में मिली हार का असर अब टीम इंडिया की आईसीसी रैंकिंग पर भी साफ दिखाई देने लगा है। हालांकि भारत अभी भी टी-20 रैंकिंग में पहले नंबर पर बना हुआ है, लेकिन उसकी रेटिंग में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे टॉप पोजिशन पर खतरा बढ़ गया है।

ताजा अपडेट के अनुसार, सीरीज से पहले टीम इंडिया की रेटिंग 275 थी, जो अब घटकर 272 हो गई है। यानी दो मुकाबले हारने के बाद भारत को तीन रेटिंग अंकों का नुकसान हुआ है। भले ही टीम पहले स्थान पर कायम है, लेकिन यह गिरावट चिंता बढ़ाने वाली है।

सबसे बड़ी बात यह है कि अब भारत और दूसरे नंबर पर मौजूद इंग्लैंड के बीच अंतर काफी कम हो गया है। इंग्लैंड की रेटिंग 262 है, यानी दोनों टीमों के बीच सिर्फ 10 अंकों का फासला रह गया है। ऐसे में आने वाली सीरीज और भी अहम हो जाती है।

भारत और इंग्लैंड के बीच 1 जुलाई से पांच मैचों की टी-20 सीरीज शुरू होने जा रही है, जो रैंकिंग के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अगर इस सीरीज में

टॉप कुर्सी पर इंग्लैंड की बड़ी दावेदारी

आयरलैंड ने दिया बड़ा झटका

टीम इंडिया का प्रदर्शन कमजोर रहता है, तो उसकी नंबर-1 कुर्सी खतरे में पड़ सकती है और इंग्लैंड उसे पीछे छोड़ सकता है।

वहीं तीसरे नंबर पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया भी 260 रेटिंग के साथ ज्यादा दूर नहीं है, जिससे टॉप-3 की रेस और रोमांचक हो गई है। कुल मिलाकर, आयरलैंड से मिली हार ने भारत के लिए रैंकिंग की जंग को और दिलचस्प और चुनौतीपूर्ण बना दिया है।

इस्लाम छोड़ हिंदू बनने की चर्चाओं पर एक्ट्रेस का बड़ा खुलासा

यूनिक समय, नई दिल्ली। मशहूर उर्फी जावेद एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वजह उनका लुक नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर फैल रही धर्म परिवर्तन की अफवाहें हैं। हाल ही में उर्फी ने उन दावों पर खुलकर प्रतिक्रिया दी, जिनमें कहा जा रहा था कि उन्होंने इस्लाम छोड़कर हिंदू धर्म अपना लिया है और अपना नाम भी बदल लिया है। उर्फी ने साफ शब्दों में इन खबरों को गलत बताया और कहा कि उन्होंने न तो अपना धर्म बदला है और न ही अपना नाम। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर भरोसा न करने की अपील करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर बिना तथ्य के कई बातें फैलाई जाती हैं। इसके साथ ही उर्फी ने अपने बोल्ड और रिवीलिंग आउटफिट्स को लेकर होने वाली

धर्म परिवर्तन की अफवाहों पर उर्फी जावेद ने तोड़ी चुप्पी

ट्रोलिंग पर भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि उनके कपड़ों का उनके धर्म या आस्था से कोई संबंध नहीं है। हर व्यक्ति को अपनी पसंद के कपड़े पहनने और अपनी जिंदगी अपने तरीके से जीने का अधिकार है। उर्फी का कहना है कि वह हमेशा अपनी शर्तों पर जिंदगी जीती हैं और दूसरों की सोच के हिसाब से खुद को बदलने में विश्वास नहीं रखतीं। उनके इस बयान के बाद धर्म परिवर्तन से जुड़ी चर्चाओं पर विराम लग गया है, जबकि सोशल मीडिया पर उनके बेबाक अंदाज की फिर से चर्चा हो रही है।

भारत ने इंग्लैंड को शूटआउट में दी मात

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग 2025-26 के अपने आखिरी मुकाबले में इंग्लैंड को शूटआउट में 3-2 से हराकर अभियान का शानदार समापन किया। लंदन के ली वैली हॉकी एंड टेनिस सेंटर में खेले गए इस रोमांचक मैच में निर्धारित समय तक दोनों टीमें गोल करने में नाकाम रहीं और मुकाबला 0-0 की बराबरी पर समाप्त हुआ। शूटआउट में भारत की ओर से अभिषेक, शिलानंद लकड़ा और हार्दिक सिंह ने गोल दागकर टीम को जीत दिलाई। वहीं गोलकीपर मोहित शशिकुमार ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कई अहम बचाव किए और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

मैच की शुरुआत में इंग्लैंड ने आक्रामक खेल दिखाया और शुरुआती पलों में ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन भारतीय डिफेंस और गोलकीपर ने उन्हें सफलता नहीं लेने दी। मोहित शशिकुमार ने शानदार डबल सेव कर टीम को शुरुआती झटके से बचाया।

इसके बाद भारत ने भी कुछ अच्छे मौके बनाए, लेकिन उन्हें गोल में बदल नहीं सका। कड़े संघर्ष वाले इस मुकाबले में दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। अंत में शूटआउट में भारत ने संयम और सटीकता दिखाते हुए जीत हासिल की और प्रो लीग का अंत जीत के साथ किया।

नौ साल के तैमूर की धर्म पर सोच ने जीता दिल

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान अपनी फिल्मों के साथ-साथ अपने परिवार और बच्चों की परवरिश को लेकर भी चर्चा में रहते हैं। इस बार उन्होंने अपने बेटों तैमूर और जहांगीर को दिए जा रहे संस्कारों पर खुलकर बात की है। सैफ ने बताया कि वह अपने बच्चों को किसी एक धर्म तक सीमित नहीं रखते, बल्कि उन्हें सभी धर्मों का सम्मान करना सिखाते हैं। इसी बातचीत के दौरान उन्होंने 9 साल के तैमूर का ऐसा जवाब भी साझा किया, जिसने उन्हें गर्व महसूस कराया।

लंदन में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान सैफ अली खान ने धर्म और आध्यात्मिकता पर अपनी सोच साझा की। उन्होंने कहा कि वह अपने बच्चों से अक्सर इस विषय पर बातचीत करते हैं। सैफ के मुताबिक, उनकी मां शर्मिला टैगोर ने उन्हें बचपन से यही सिखाया था कि 'भगवान एक हैं, बस लोग उन्हें अलग-अलग नामों से पुकारते हैं।' अब वही सीख वह अपने बेटों तैमूर और जहांगीर को भी दे रहे हैं।

सैफ ने कहा कि उनके लिए धर्म का

सैफ अली खान ने बताए बच्चों की परवरिश के संस्कार

असली मतलब इंसानियत, प्रेम और दूसरों का सम्मान करना है। उनका मानना है कि अगर कोई धर्म लोगों को एक-दूसरे से प्यार करना और माफ करना सिखाता है, तो वही उसकी सबसे बड़ी खूबी है। उन्होंने यह भी बताया कि उनके घर में किसी एक धर्म का माहौल नहीं है, बल्कि सभी त्योहार पूरे उत्साह के साथ मनाए जाते हैं। दिवाली हो या क्रिसमस, दोनों बच्चों को हर परंपरा से परिचित कराया जाता है ताकि वे सभी संस्कृतियों को समझ सकें।

बातचीत के दौरान सैफ ने अपने बड़े बेटे तैमूर से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा भी सुनाया। उन्होंने बताया कि एक दिन उन्होंने तैमूर से पूछा कि धर्म और कार्यप्रणाली में क्या अंतर होता है। इस पर 9 साल के तैमूर ने जवाब दिया, "धर्म में हम प्रार्थना करते हैं, लेकिन कार्यप्रणाली में हम प्रार्थना नहीं करते।" बेटे का यह जवाब सुनकर सैफ हैरान रह गए और उन्हें महसूस हुआ कि छोटी उम्र में भी तैमूर चीजों को समझने की अच्छी क्षमता रखते हैं।

सैफ ने अपने बचपन को याद करते हुए बताया कि उन्होंने क्रिश्चियन स्कूल में पढ़ाई की, जहां चर्च और प्रार्थना उनके जीवन का हिस्सा रहे। वहीं घर में उन्हें अलग-अलग धर्मों का सम्मान करना सिखाया गया। यही वजह है कि आज वह अपने बच्चों की परवरिश भी खुले और समावेशी माहौल में कर रहे हैं। उनका कहना है कि वह खुद को धार्मिक से ज्यादा आध्यात्मिक मानते हैं और चाहते हैं कि उनके बच्चे भी इंसानियत को सबसे बड़ा धर्म समझें। सैफ अली खान के इस बयान को सोशल मीडिया पर भी खूब पसंद किया जा रहा है।

महिला टी-20 वर्ल्ड कप में भारत का सफर खत्म

यूनिक समय, नई दिल्ली। महिला टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के एक अहम मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 6 विकेट से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। इस हार के साथ ही टीम इंडिया का सेमीफाइनल में पहुंचने का सपना टूट गया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 170 रन बनाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शानदार और तेजतर्रार फिफ्टी लगाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। उनकी इस पारी ने भारत को बड़ा स्कोर खड़ा करने में मदद की। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और बिना ज्यादा दबाव के 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। भारतीय गेंदबाज मैच में प्रभाव नहीं छोड़ सके और ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को रोकने में नाकाम रहे। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने एक बार फिर बड़े मुकाबलों में अपना दबदबा साबित किया, जबकि भारत का वर्ल्ड कप अभियान यहीं समाप्त हो गया।

अनिरुद्ध और काव्या की शादी की चर्चाएं फिर तेज

यूनिक समय, नई दिल्ली। साउथ फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर म्यूजिक कंपोजर अनिरुद्ध रविचंदर और सनराइजर्स हैदराबाद की सीईओ काव्या मारन एक बार फिर सुर्खियों में हैं। लंबे समय से दोनों के अफेयर और शादी की चर्चाएं होती रही हैं, लेकिन इस बार मामला इसलिए खास हो गया क्योंकि अनिरुद्ध के अंकल और दिग्गज अभिनेता वाई. जी. महेंद्र ने दोनों के रिश्ते को लेकर ऐसा बयान दिया है, जिसने इन अटकलों को और तेज कर दिया है।

हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान वाई. जी. महेंद्र ने अनिरुद्ध को बधाई देते हुए कहा कि वह एक बड़े और प्रतिष्ठित परिवार में शादी करने जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें मिली जानकारी के अनुसार शादी तय हो चुकी है और दोनों जल्द ही विवाह के बंधन में बंध सकते हैं। हालांकि उन्होंने शादी की तारीख या अन्य आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की।

महेंद्र ने काव्या मारन की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि काव्या सिर्फ एक सफल बिजनेस फैमिली की बेटी नहीं हैं, बल्कि अपनी मेहनत और नेतृत्व क्षमता के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद जैसी बड़ी आईपीएल फ्रेंचाइजी को शानदार तरीके से संभाल रही हैं। उनके मुताबिक, अनिरुद्ध और काव्या की जोड़ी बेहद शानदार है और दोनों अपने-अपने क्षेत्र में बड़ी पहचान रखते हैं।

हालांकि यह पहली बार नहीं है जब दोनों के रिश्ते की चर्चा सामने आई हो। साल 2025 में भी सोशल मीडिया पर दावा किया गया था कि अनिरुद्ध और काव्या लंबे समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं और जल्द शादी कर सकते हैं। उस समय इन खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए अनिरुद्ध ने सोशल मीडिया पर शादी की अफवाहों को हंसी में उड़ाते हुए कहा था कि ऐसी बेबुनियाद बातें फैलाना बंद करें। हालांकि उन्होंने अपनी निजी जिंदगी या डेटिंग की खबरों पर विस्तार से कुछ नहीं कहा था।

अब उनके अंकल के ताजा बयान के बाद फैंस एक बार फिर इस रिश्ते को लेकर उत्साहित हैं। हालांकि अनिरुद्ध रविचंदर और काव्या मारन की ओर से अभी तक शादी या रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

काव्या मारन संग शादी की खबरों ने पकड़ा जोर

जानिए कौन हैं साउथ के स्टार म्यूजिक कंपोजर

अनिरुद्ध रविचंदर के अंकल ने किया बड़ा खुलासा

बता दें कि अनिरुद्ध रविचंदर साउथ सिनेमा के सबसे लोकप्रिय म्यूजिक कंपोजर्स में गिने जाते हैं। उन्होंने 2012 में फिल्म '3' से अपने करियर की शुरुआत की थी और उनका सुपरहिट गाना वाई दिस कोलावेरी आज भी दुनियाभर में पसंद किया जाता है। इसके बाद उन्होंने 'लियो', 'इंडियन 2', 'वेट्टैयन', 'विडामुयारची' और 'कूली' जैसी कई बड़ी फिल्मों में अपने संगीत से खास पहचान बनाई।

'आवारापन- 2' से इमरान हाशमी का धमाकेदार कमबैक

यूनिक समय, नई दिल्ली। इमरान हाशमी की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'आवारापन 2' का टीजर आखिरकार रिलीज हो गया है। 2007 की कल्ट फिल्म 'आवारापन' के सीक्वल का फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे थे और अब पहली झलक ने उनकी एक्साइटमेंट कई गुना बढ़ा दी है। टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर इसकी जमकर चर्चा हो रही है। करीब डेढ़ मिनट के टीजर में इमरान हाशमी एक बार फिर अपने पुराने किरदार की झलक दिखाते हैं। शुरुआत में उनकी आवाज सुनाई देती है, "कुछ लोगों की कहानियां उनकी मर्जी से खत्म नहीं होती..." और अंत में उनका दमदार डायलॉग "इस बार या तो आवारापन खत्म होगा... या मैं" फैंस के रोंगटे खड़े कर देता है। टीजर में इमरान हाशमी के साथ दिशा पाटनी और शबाना आजमी की भी दमदार झलक देखने को मिलती है। बाइक राइड, जबरदस्त एक्शन, इमोशनल सीन्स और विदेशी लोकेशंस इस बार फिल्म को पहले से ज्यादा भव्य बनाते नजर आ रहे हैं। फिल्म का निर्देशन नितिन कक्कड़ ने किया है। टीजर से साफ है कि कहानी वहीं से आगे बढ़ेगी, जहां पहले पार्ट का सफर खत्म हुआ था। दमदार डायलॉग्स, इमोशनल बैकग्राउंड और एक्शन से भरपूर इस झलक ने फिल्म को लेकर फैंस की उत्सुकता और बढ़ा दी है। अब सभी की नजर 'आवारापन 2' की रिलीज पर टिकी है।

'आवारापन 2' के टीजर ने बढ़ाया रोमांच

'या तो आवारापन खत्म होगा या मैं'

21वीं मंजिल पर लगी आग से मची अफरातफरी

नोएडा की हाईराइज सोसाइटी में एसी ब्लास्ट

यूनिक समय, नोएडा। सेक्टर–119 स्थित अरण्य सोसाइटी की 24 मंजिला इमारत में सोमवार सुबह एसी ब्लास्ट के बाद 21वीं मंजिल पर भीषण आग लग गई। आग लगते ही फ्लैट की खिड़कियों से उंची लपटें और घना धुआं निकलने लगा, जिससे पूरी मंजिल पर अफरातफरी मच गई। लोग जान बचाने के लिए सीढ़ियों के रास्ते नीचे भागे और एहतियातन पूरी इमारत खाली करा दी गई।

सूचना मिलते ही पुलिस, एंबुलेंस और दमकल विभाग की छह गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। फायर ब्रिगेड की टीम ने सोसाइटी की फायर सेफ्टी व्यवस्था और बिल्डिंग में लगे उपकरणों की मदद से करीब आधे घंटे में आग पर काबू पा लिया। आग एक फ्लैट से आसपास के दो अन्य फ्लैटों तक पहुंची, लेकिन समय रहते उसे फैलने

से रोक लिया गया। एक फ्लैट का अधिकांश सामान जलकर नष्ट हो गया, जबकि किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि आग एसी ब्लास्ट के कारण लगी। घटना के समय परिवार फ्लैट में मौजूद था, लेकिन सभी सुरक्षित बाहर निकल आए। उन्होंने बताया कि फायर कर्मियों ने अंदर प्रवेश कर दो दिशाओं से आग बुझाई और स्थिति पर तेजी से नियंत्रण पाया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तेज धुएं के

तीन फ्लैटों तक पहुंची आग, सुरक्षित निकाले गए लोग

दमकल और सोसाइटी टीम ने आधे घंटे में पाया काबू

कारण कई लोगों का दम घुटने लगा। कुछ निवासियों ने आरोप लगाया कि दमकल की हाइड्रोलिक सीढ़ियों से पानी केवल 13वीं मंजिल तक ही पहुंच सका, जिसके कारण सोसाइटी की आंतरिक अग्निशमन व्यवस्था का सहारा लेना पड़ा।

घटना के बाद उंची इमारतों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं।

रकाबगंज समेत कई इलाकों की जलापूर्ति ठप

नमामि गंगे कार्य में टूटी पाइपलाइन

एक लाख लोगों पर पेयजल संकट

यूनिक समय,आगरा। नमामि गंगे परियोजना के तहत चल रहे निर्माण कार्य के दौरान जलकल विभाग की 200 एमएम व्यास की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे शहर के कई इलाकों में पेयजल संकट पैदा हो गया। पाइपलाइन टूटने के बाद रकाबगंज क्षेत्र की जलापूर्ति तत्काल बंद करनी पड़ी। रविवार शाम पानी की सप्लाई बाधित रही, जबकि सोमवार सुबह भी आपूर्ति प्रभावित रहने की संभावना है। इससे करीब एक लाख लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। घटना शाहजहां गार्डन के सामने हुई, जहां खुदाई के दौरान राइजिंग मेन से जुड़ी पाइपलाइन टूट गई। इसके बाद जीवनी मंडी मुख्यालय से पानी की आपूर्ति रोक दी गई। रकाबगंज, छीपीटोला, बालूगंज, चक्कीपाट, आगरा कैंट और आसपास के क्षेत्रों में जलापूर्ति प्रभावित हुई।

जलकल विभाग के महाप्रबंधक कुमार गौरव ने बताया कि क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की मरम्मत युद्धस्तर पर कराई जा रही है। विभाग का प्रयास है कि मरम्मत कार्य शीघ्र पूरा कर जलापूर्ति जल्द बहाल की जाए। ताकि उपलब्ध पानी का बेहतर ढंग से उपयोग हो सके।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी जांच तेज पूर्व पदाधिकारियों से पूछताछ

यूनिक समय,अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच लगातार तेज होती जा रही है। पुलिस ने ट्रस्ट के पूर्व पदाधिकारियों चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा और गोपाल राव से पूछताछ कर उनके बयान दर्ज किए हैं। जांच एजेंसियां अब आरोपियों के बैंक खातों, वित्तीय लेन–देन और अन्य दस्तावेजों की पड़ताल कर रही हैं। पूछताछ के बाद चंपत राय दिल्ली रवाना हो गए।

इस बीच मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंचा। सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से अदालत ने इनकार करते हुए कहा कि मामले पर अवकाश के बाद विचार किया जाएगा। सोमवार को पुलिस की टीम अयोध्या धाम स्थित एसबीआई शाखा पहुंची, जहां गिरफ्तार आठ आरोपियों में से सात के बैंक खाते हैं। पुलिस ने खातों का विवरण लिया और यह जांच शुरू की कि मंदिर में नियुक्ति के बाद उनके खातों में कितनी राशि जमा हुई। बैंक के दो कर्मचारियों को भी नोटिस जारी किया गया है। जांच एजेंसियां मंदिर ट्रस्ट के लॉकर और अन्य वित्तीय रिकॉर्ड भी खंगाल रही हैं।

भ्रष्टाचार निवारण अदालत में आठों आरोपियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेशी हुई। पुलिस ने रिमांड की मांग नहीं की, जिसके बाद अदालत ने सभी आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मामले की अगली सुनवाई 13 जुलाई को होगी।

आरोपियों की न्यायिक हिरासत बढ़ी

बैंक खातों, बयानों और दस्तावेजों की गहन जांच

मामले को लेकर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है, जबकि उत्तर प्रदेश सरकार ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया है। पुलिस का कहना है कि जांच अभी जारी है और आवश्यकता पड़ने पर अन्य लोगों से भी पूछताछ की जाएगी।

कानपुर में गैंगस्टर अजय ठाकुर की रिहाई सुर्खियों में

यूनिक समय,कानपुर। कानपुर में गैंगस्टर अजय ठाकुर की गिरफ्तारी और उसके कुछ ही घंटों में रिहा होने का मामला इन दिनों सुर्खियों में है। रावतपुर थाना पुलिस ने शनिवार को उसे एक धुलाई सेंटर के पास से गिरफ्तार किया था, लेकिन अगले ही दिन शांतिभंग की धाराओं में कार्रवाई के बाद वह जमानत पर रिहा हो गया। रिहाई के बाद अजय ठाकुर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट और रील शेयर की, जिसमें उसने अपने समर्थकों का धन्यवाद किया। यह वीडियो तेजी से वायरल हो गया और शहर में चर्चा का विषय बन गया। यह मामला त्रिलोकीधाम आश्रम में महंत रविकांत शुक्ला उर्फ भोला गिरी से जुड़े हमले से संबंधित है। आरोप है कि अप्रैल में विवाद के बाद अजय ठाकुर और उसके साथियों ने महंत के साथ मारपीट की थी और धमकी दी थी।

ई–रजिस्ट्री के विरोध में वकीलों ने निकाला पैदल मार्च

यूनिक समय,अलीगढ़। प्रदेश सरकार की नई ई–रजिस्ट्री और ई–पंजीकरण व्यवस्था के विरोध में सोमवार को अलीगढ़ के अधिवक्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। दि अलीगढ़ बार एसोसिएशन और तहसील राजस्व बार एसोसिएशन के नेतृत्व में सैकड़ों वकीलों ने पैदल मार्च निकालते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचकर डीएम कार्यालय का घेराव किया और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।अधिवक्ताओं ने बताया कि तहसील कोल में 5 जून से ई–रजिस्ट्री व्यवस्था के विरोध में धरना और हड़ताल जारी है, लेकिन अब तक शासन–प्रशासन की ओर से कोई समाधान नहीं निकला। वकीलों का आरोप है कि निजी संस्थाओं के माध्यम से रजिस्ट्री कराने की व्यवस्था से अधिवक्ताओं, कातिबों, स्टाम्प विक्रेताओं और टाइपिस्टों की आजीविका पर संकट खड़ा हो जाएगा। ज्ञापन में ई–रजिस्ट्री व्यवस्था को तत्काल वापस लेने की मांग के साथ दीवानी परिसर में प्रस्तावित 12 मंजिला अधिवक्ता भवन का निर्माण जल्द शुरू कराने की भी मांग की गई। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने आदेश वापस नहीं लिया तो आंदोलन पूरे प्रदेश में उग्र रूप ले सकता है। डीएम अविनाश कुमार ने प्रदर्शनकारियों से ज्ञापन लेकर उनकी मांगों को शासन तक पहुंचाने का भरोसा दिया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में अधिवक्ता, स्टाम्प विक्रेता और बार एसोसिएशन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

शनिदेव मंदिर चढ़ावे से हफ्ता वसूली का आरोप

आठ लोगों पर शिकायत

मंदिर समिति सदस्य ने पुलिस को सौंपे सबूत

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर शुरू हुई जांच

यूनिक समय, आगरा। सिकंदरा थाना क्षेत्र के रुनकता स्थित शनिदेव मंदिर से जुड़ा एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें चढ़ावे की रकम से कथित हफ्ता वसूली के आरोपों ने इलाके में सनसनी फैला दी है। मंदिर समिति के सदस्य नरेंद्र सिंह ने महिला समेत आठ लोगों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि इन लोगों ने जबरन वसूली, मारपीट, गाली–गलौज और जान से मारने की धमकी दी।

शिकायत के अनुसार, आरोपियों द्वारा लंबे समय से मंदिर के चढ़ावे से प्रति सप्ताह 10 हजार रुपये की मांग की जा रही थी। पीड़ित का कहना है कि 9 मई की रात सभी आरोपी मंदिर कार्यालय पहुंचे और वहां जबरदस्त हंगामा किया। आरोप है कि उन्होंने नरेंद्र सिंह को कुर्सी से हटाकर धमकाया और दबाव बनाकर करीब 40 हजार रुपये ले लिए। विरोध करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी भी दी गई।

घटना के बाद मंदिर परिसर में तनाव का माहौल बन गया और स्थानीय लोगों में चर्चा तेज हो गई। पीड़ित पक्ष ने मामले से जुड़ा सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को सौंपा है, जिसमें कुछ लोग नोट गिनते और कार्यालय में मौजूद दिखाई दे रहे हैं। इस फुटेज को मामले में अहम सबूत माना जा रहा है।

पुलिस और प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत जांच शुरू कर दी है। डीसीपी ने पूरे प्रकरण की जांच एसीपी हरीपर्वत को सौंप दी है ताकि निष्पक्ष और विस्तृत जांच हो सके। अधिकारियों का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज, शिकायत और अन्य साक्ष्यों के आधार पर हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस टीम सभी आरोपों की सत्यता की जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अलीगढ़ में कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस बनी अखाड़ा

यूनिक समय,अलीगढ़। अलीगढ़ में कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले बड़ा हंगामा हो गया, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। बताया जा रहा है कि कार्यक्रम में एक बाहरी व्यक्ति के पहुंचने को लेकर विवाद शुरू हुआ, जिसके बाद नेताओं के बीच बहस बढ़ गई और स्थिति बेकाबू हो गई। आरोप है कि कुछ कांग्रेस नेताओं ने आपत्ति जताई कि बिना अनुमति के एक संदिग्ध व्यक्ति कार्यक्रम में घुस आया था। इस बात पर पहले कहासुनी हुई और फिर मामला हाथापाई और लात–घूंसे तक पहुंच गया। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच–बचाव कर किसी तरह स्थिति को संभाला। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसके बाद यह मामला सुर्खियों में आ गया है। कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तौकीर आलम को संबोधन करना था, लेकिन हंगामे के कारण कार्यक्रम बाधित हो गया। कांग्रेस महानगर अध्यक्ष नावेद खान ने कहा कि बाहरी व्यक्ति नशे की हालत में था और उसने ही विवाद शुरू किया। इस घटना के बाद पार्टी की सुरक्षा व्यवस्था और आंतरिक अनुशासन पर सवाल उठ रहे हैं।

वकीलों का अल्टीमेटम, तीन दिन में अयोध्या छोड़ें चंपत राय

आरोपियों की पैरवी पर लगाया पांच लाख जुर्माना

एफआईआर और सीबीआई जांच की उठाई मांग

यूनिक समय,अयोध्या। राम मंदिर दान चोरी मामले को लेकर अयोध्या में अधिवक्ताओं का आक्रोश खुलकर सामने आया है। फैजाबाद बार एसोसिएशन की बैठक में कई अहम प्रस्ताव पारित किए गए। अधिवक्ताओं ने निर्णय लिया कि इस मामले के किसी भी आरोपी की पैरवी बार एसोसिएशन का कोई सदस्य नहीं करेगा। यदि कोई वकील आरोपियों का पक्ष रखता है तो उसे पांच लाख रुपये सहयोग राशि जमा करनी होगी और संघ की कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कालिका प्रसाद मिश्र ने चंपत राय, गोपाल राव और डॉ. अनिल मिश्रा को तीन दिन के भीतर अयोध्या छोड़ने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होने पर व्यापक आंदोलन किया जाएगा। साथ ही तीनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग भी उठाई गई है।

अधिवक्ताओं ने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराई जानी चाहिए। यदि मौजूदा याचिकाओं पर सीबीआई जांच का आदेश नहीं मिलता है तो हाईकोर्ट और आवश्यकता पड़ने पर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया जाएगा।

बार एसोसिएशन का कहना है कि यह मामला करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा है, इसलिए दोषियों के खिलाफ सख्त और निष्पक्ष कार्रवाई होनी चाहिए।

अरावली पैलेस में निर्माणाधीन दीवार ढही

छह मजदूरों की दर्दनाक मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजस्थान की राजधानी जयपुर के आमेर थाना क्षेत्र स्थित तालामोड़ के पास निर्माणाधीन अरावली पैलेस में सोमवार को बड़ा हादसा हो गया। निर्माणाधीन दीवार अचानक भरभराकर गिरने से कई मजदूर मलबे में दब गए। हादसे के बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस, सिविल डिफेंस, एसडीआरएफ और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया।

रेस्क्यू अभियान के दौरान मलबे से लगातार मजदूरों को बाहर निकाला गया। अधिकारियों के अनुसार इस हादसे में अब तक छह मजदूरों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। मृतकों के शव मलबे से निकालकर अस्पताल भेजे गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे में घायल हुए अन्य मजदूरों का जयपुर के सवाई

मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल और स्थानीय ट्रॉमा सेंटर में इलाज चल रहा है। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के समय निर्माण कार्य चल रहा था और बड़ी संख्या में मजदूर दीवार के आसपास काम कर रहे थे। अचानक दीवार गिरने से मजदूरों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने भी राहत कार्य में प्रशासन का सहयोग किया।

मलबा हटाने में जुटी राहत एवं बचाव टीमें लगातार

सुरक्षा मानकों में लापरवाही की होगी गहन जांच

प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि मलबे को हटाने का कार्य लगातार जारी है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उसके नीचे कोई अन्य व्यक्ति दबा न रह गया हो। बचाव अभियान में भारी मशीनों के साथ प्रशिक्षित राहत दल लगाए गए हैं।

हादसे के बाद जिला प्रशासन और पुलिस ने निर्माण कार्य में सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर लापरवाही की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने निर्माण ठेकेदार और संबंधित प्रबंधन के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इस दर्दनाक हादसे के बाद मृतक मजदूरों के परिवारों में शोक की लहर है। प्रशासन ने पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है।

केतन हत्याकांड में सिया ने चेतन पर ठीकरा फोड़ा

यूनिक समय, नई दिल्ली। केतन अग्रवाल हत्याकांड की जांच में नया मोड़ सामने आया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, क्राइम सीन रीक्रिएशन के दौरान आरोपी सिया गोयल ने दावा किया कि केतन को धक्का उसने नहीं, बल्कि उसके प्रेमी चेतन चौधरी ने दिया था। सिया पुलिस को उस स्थान पर भी लेकर गई, जहां कथित रूप से घटना हुई थी।

जांच के दौरान पुलिस ने चेतन चौधरी की उस कार को भी जब्त कर लिया है, जिससे वह घटना वाले दिन लोहगढ़ किले तक पहुंचा था। पुलिस के मुताबिक, चेतन हूडी और हेडफोन पहनकर मौके पर गया था। इन सामानों को भी बरामद कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है।

सूत्रों के अनुसार, पुलिस जल्द ही चेतन चौधरी के साथ अलग से क्राइम सीन रीक्रिएशन कर सकती है। यदि दोनों आरोपियों के बयानों में विरोधाभास मिलता है, तो दोनों को एक साथ घटनास्थल पर ले जाकर दोबारा

क्राइम सीन में सिया ने बदला अपना बयान

व्हाट्सएप चैट और कार से मिलेंगे अहम सुराग

घटनाक्रम का पुनर्निर्माण कराया जाएगा।जांच में यह भी सामने आया है कि सिया और चेतन के प्रेम संबंधों की जानकारी सिया के भाई को पहले से थी।

वहीं, दोनों के बीच हुई व्हाट्सएप चैट को भी फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। पुलिस को उम्मीद है कि चैट का डेटा मिलने के बाद मामले से जुड़े कई अहम तथ्य सामने आ सकते हैं। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं की गहन जांच में जुटी हुई है।

आरएसएस टिप्पणी मामले में प्रियांक खरगे को समन जारी

अदालत ने 21 जुलाई तक मांगा जवाब

आपराधिक मानहानि शिकायत पर शुरू हुई न्यायिक कार्रवाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खरगे और यूथ कांग्रेस नेता मोहम्मद नलपाड को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के खिलाफ कथित टिप्पणी के मामले में बेंगलुरु की अदालत ने समन जारी किया है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने दोनों से 21 जुलाई 2026 तक जवाब देने को कहा है।

यह कार्रवाई आरएसएस कार्यकर्ता ए. तेजस द्वारा दायर आपराधिक मानहानि की शिकायत पर की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि अक्टूबर 2025 में प्रियांक खरगे ने

आरएसएस और उसके सदस्यों के खिलाफ अपमानजनक बयान दिए तथा संगठन की छवि धूमिल करने का प्रयास किया। शिकायत में उनके सोशल मीडिया पोस्ट और सरकार को लिखे गए एक पत्र का भी उल्लेख किया गया है। अदालत ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 356 के तहत प्रथम दृष्टया मामला बनते हुए समन जारी किया है। हालांकि, इसी मामले में पूर्व मंत्री दिनेश गुंडू राव के खिलाफ अदालत ने कार्यवाही करने से इनकार कर दिया। मामले पर पूछे जाने पर प्रियांक खरगे ने फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

पटना तेल गोदाम में भीषण आग, मची अफरा–तफरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार की राजधानी पटना के दीदारगंज थाना क्षेत्र स्थित महुली रोड पर तेल, रिफाइंड और डालडा के एक बड़े गोदाम में भीषण आग लग गई। आग ने देखते ही देखते पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे इलाके में अफरा–तफरी मच गई।

सूचना मिलते ही पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। आग बुझाने के लिए दो दर्जन से अधिक दमकल वाहन लगातार प्रयास में जुटे रहे। कई घंटों की मशक्कत के बाद भी आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा

दो दर्जन दमकल वाहन घंटों से जुटे राहत कार्य

शॉर्ट सर्किट की आशंका जांच में जुटा प्रशासन

सका। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग का संभावित कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक वजह जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। हादसे में लाखों रुपये का सामान जलकर नष्ट हो गया। प्रशासन ने लोगों से घटनास्थल से दूर रहने की अपील की है।

मासूम से दरिंदगी पर दोषी को मिली फांसी सजा

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के पुणे जिले में तीन वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के मामले में विशेष अदालत ने 65 वर्षीय दोषी भीमराव कांबले को फांसी की सजा सुनाई है। अदालत ने इसे अत्यंत जघन्य और दुर्लभतम श्रेणी का अपराध मानते हुए यह फैसला सुनाया।

घटना 1 मई 2026 को नसरपुर गांव में हुई थी। पुलिस के अनुसार, आरोपी बच्ची को बहला–फुसलाकर ले गया, उसके साथ दुष्कर्म किया और पत्थर से सिर कुचलकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को तबेले में गोबर के ढेर के नीचे छिपा दिया। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज में आरोपी बच्ची को घटनास्थल की ओर ले जाता दिखाई दिया, जिसके आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया। फास्ट ट्रैक कोर्ट ने करीब दो महीने के भीतर सुनवाई पूरी कर फैसला सुनाया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने निर्णय का स्वागत करते

फास्ट ट्रैक कोर्ट ने दो माह में सुनाया फैसला

सीसीटीवी और सबूतों से दोषी का अपराध साबित

हुए जांच टीम और अभियोजन पक्ष की सराहना की। वहीं, राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी मामले को गंभीर बताते हुए दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की थी।

चीन में छह सैन्य नेताओं पर गिरी गाज

यूनिक समय, नई दिल्ली। चीन की शीर्ष विधायी संस्था नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) ने छह वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों समेत कई नेताओं को उनके पदों से हटा दिया है। हालांकि सरकार ने इस कार्रवाई के पीछे कोई आधिकारिक कारण सार्वजनिक नहीं किया है, जिससे राजनीतिक और रणनीतिक हलकों में कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

हटाए गए अधिकारियों में सेना के कई वरिष्ठ कमांडर और रक्षा प्रतिष्ठान से जुड़े अधिकारी शामिल हैं। इसके अलावा पूर्व वित्तीय नियामक प्रमुख और एक वरिष्ठ राजनीतिक नेता की सदस्यता भी समाप्त कर दी गई है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लंबे समय से चल रहे भ्रष्टाचार विरोधी अभियान का हिस्सा हो सकता है। हालांकि कुछ विश्लेषक इसे सेना में अनुशासन और नियंत्रण मजबूत करने की कवायद भी मान रहे हैं।

असम में बारिश से तबाही, राहत कार्य तेज

रेलवे पुल क्षतिग्रस्त कई क्षेत्रों का संपर्क टूटा

अमित शाह ने हरसंभव सहायता का दिया भरोसा

यूनिक समय, नई दिल्ली। असम में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण धेमाजी जिले में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। नदियों के उफान और तेज कटाव से एक रेलवे पुल क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे आर्चीपाथर और सिमेन चापरी स्टेशनों के बीच रेल सेवाएं अगली सूचना तक स्थगित कर दी गई हैं।

मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित

शाह ने फोन पर हालात की जानकारी ली और केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का भरोसा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार राहत, बचाव और दीर्घकालिक पुनर्वास के लिए सभी संसाधन जुटा रही है।

सरकार ने जल संसाधन और आपदा प्रबंधन विभाग के मंत्रियों को प्रभावित क्षेत्रों में रहकर राहत कार्यों की निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन बाढ़ प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने में जुटा है। लगातार बारिश के बीच सरकार हालात पर नजर बनाए हुए है।

एसआईआर को लेकर परेशान मुजीब ने लगाई फांसी

परिजनों ने मानसिक तनाव को बताया आत्महत्या कारण

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

यूनिक समय, नई दिल्ली। हैदराबाद के बोराबंदा क्षेत्र में एक व्यक्ति की कथित आत्महत्या का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान मुजीब के रूप में हुई है। परिजनों का आरोप है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े दस्तावेजों को लेकर वह लंबे समय से मानसिक तनाव में थे।

परिजनों के अनुसार, आवश्यक दस्तावेज जुटाने में उन्होंने एक लाख रुपये से अधिक खर्च किए थे। साथ ही अपने दो बेटों के भविष्य को लेकर

भी वह चिंतित रहते थे। बताया गया कि बेटों की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं ने उनकी चिंता और बढ़ा दी थी।

मुजीब के बेटे ने उन्हें घर में फंदे से लटका देखा और बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने परिजनों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कंटेनर के पहिए के नीचे आकर महिला की मौत

स्कूटी सवार महिला को छोड़ कर भाग गया

कंटेनर चालक भी दुर्घटना के बाद भाग निकला

हाइवे पर दुर्घटना में मृत महिला को देखने के लिए लगी लोगों की भीड़, वाहनों की लगी लाइन।

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र स्थित मंडी चौराहे के समीप सोमवार को स्कूटी पर बैठी एक महिला स्कूटी अनियंत्रित होने के कारण गिरकर कंटेनर के पहिए के नीचे आ गई। महिला की मौत को बाद स्कूटी और कंटेनर चालक दोनों मौके से भाग गए।

मिली जानकारी के अनुसार, आज दोपहर करीब साढ़े चार बजे राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर थाना हाईवे क्षेत्र स्थित मंडी चौराहे के समीप स्कूटी पर बैठ कर एक महिला जा रही थी। स्कूटी अचानक अनियंत्रित हो गई, जिसके चलते महिला पीछे से आते कंटेनर के पहिए के नीचे आ गई। चालक के ब्रेक लगाने के बाद भी महिला को कंटेनर काफी दूर तक घसीटता हुआ ले गया। दुर्घटना के बाद जहां स्कूटी सवार महिला को छोड़ कर मौके से भाग गया, वहीं कंटेनर चालक भी गाड़ी को छोड़ कर वहां से भाग गया। दुर्घटना के देखने के लिए लोग हाइवे पर भीड़ जमा हो गई। पुलिस को भी इस बारे में बताया गया।

मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला के शव का पंचनामा करने के बाद मोरचरी भेज दिया। पुलिस मृतक महिला की शिनाख्त करने में लगी है।

अब बंदरों को पकड़ने के लिए बना प्लान

यूनिक समय, मथुरा। इलाहाबाद हाई कोर्ट और उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशों के बाद डीएम सीपी सिंह के नेतृत्व में मथुरा में बंदरों की समस्या के समाधान के लिए समन्वित एक्शन प्लान तैयार किया गया है। प्रभागीय निदेशक वेंकटा श्रीकर पटेल ने स्पष्ट किया कि वन्य जीव संरक्षण अधिनियम–1972 के तहत बंदर वन्यजीव की संरक्षित श्रेणी में नहीं आते, इसलिए उन्हें पकड़ने के लिए वन विभाग की अलग अनुमति आवश्यक नहीं होगी।

योजना के तहत नगर निगम की प्रशिक्षित टीमें आधुनिक और सुरक्षित तकनीक से बंदरों का रेस्क्यू करेंगी। पकड़े गए बंदरों को वन विभाग के समन्वय से ऐसे वन क्षेत्रों में छोड़ा जाएगा, जहां मानव आबादी का दबाव न हो। घायल, बीमार या आक्रामक बंदरों के उपचार के लिए प्रत्येक विकास खंड में पशु चिकित्सकों की विशेष टीम सक्रिय रहेंगी, जरूरत पड़ने पर उन्हें रेस्क्यू सेंटर में रखकर इलाज किया जाएगा। स्थायी समाधान के लिए उद्यान विभाग आम, जामुन, गूलर, बरगद और शहतूत जैसे फलदार पौधों का बड़े स्तर पर रोपण करेगा। प्रशासन ने लोगों से खुले में बंदरों को भोजन न कराने, समस्या होने पर नगर निगम या पंचायत को सूचना देने तथा घायल बंदर मिलने पर पशु चिकित्सा अधिकारी को तत्काल जानकारी देने की अपील की है।

वृषभान गोस्वामी और अखिलेश गौड़ को मिली राष्ट्रीय जिम्मेदारी

अखिल भारतीय गौड़ मंडल का बैठक कर किया संगठन विस्तार

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतीय गौड़ मंडल की बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी योजनाओं और समाजहित के कार्यों पर विचार–विमर्श किया गया। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. पंकज शर्मा और राष्ट्रीय महामंत्री पं. विनोद गौड़ ने संगठन को और अधिक सशक्त-सक्रिय बनाने के उद्देश्य से दो महत्वपूर्ण मनोनयन किए। वृषभान गोस्वामी को संगठन का वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और अखिलेश गौड़ जी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। नव नियुक्त दोनों पदाधिकारी संगठन को नई दिशा देंगे ओर ऊ र्जा, तकनीकी दक्षता और जमीनी पकड़ से मंडल का कार्य क्षेत्र विस्तृत होगा। बैठक में निर्णय लिया कि कर्मठ साथियों के आने से गौड़ समाज के शैक्षिक, सामाजिक और सांस्कृतिक उत्थान के कार्यों में तेजी आएगी। मंडल अब गांव–गांव, घर–घर तक पहुंचकर अंतिम व्यक्ति को जोड़ने का कार्य करेगा।

व्यापारी कल्याण दिवस पर भामाशाह सम्मान, भजनों से गूंजा सभागार

यूनिक समय, मथुरा। राज्य कर विभाग और संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को राजीव भवन स्थित सभागार में व्यापारी कल्याण दिवस–2026 और भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में व्यापारियों के योगदान को सराहा, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और भजन संध्या ने समारोह को भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम के अतिथियों औरअधिकारियों ने कहा कि प्रदेश के विकास में व्यापारी वर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका है। व्यापारियों के सहयोग और ईमानदारी से किए गए कर भुगतान से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है। ऐसे आयोजनों से व्यापारियों का मनोबल बढ़ता है और समाज में उनके योगदान को सम्मान मिलता है। इस अवसर पर उप कार्यपालक रमेश सिंह, डीसी सुनील गुप्ता, गजेंद्र सिंह, राजकीय संग्रहालय के उपनिदेशक योगेश कुमार सहित बड़ी संख्या में व्यापारी-गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

साइकिल से भ्रमण कर रहे हैं उपसभापति

लोगों की समस्या सुनने में हो रही है आसानी

प्रमुख संवाददाता

साइकिल से भ्रमण करते उपसभापति मुकेश सारस्वत।

यूनिक समय, वृंदावन। मथुरा–वृंदावन नगर निगम के उपसभापति मुकेश सारस्वत आजकल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ईधन बचाने वाले आह्वान का पालन कर रहे हैं। वह रोजाना साइकिल से भ्रमण कर रहे हैं। उन्होंने साइकिल पर उपसभापति मथुरा–वृंदावन नगर निगम की प्लेट भी लगवा रखी है। क्षेत्र के लोग अपने पार्षद और उपसभापति को साइकिल पर देखकर एक बार को चौंकते हैं। फिर अपनी समस्याओं से अवगत कराते हैं। उपसभापति मुकेश सारस्वत खुद साइकिल से उतरकर लोगों का दर्द सुनते हैं। समस्या समाधान का भरोसा देते हैं। उनका कहना है वह साइकिल से हर क्षेत्र में बड़े ही इत्मीनान के साथ पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि गाड़ी से हर क्षेत्र में पहुंचना मुश्किल भी होता है। साइकिल से वह छोटी से छोटी गली में अपने आराम से पहुंच रहे हैं। उनकी प्राथमिकता अपने वार्ड के नहीं, बल्कि अन्य क्षेत्रों के लोगों को समस्याओं से मुक्ति दिलाना है।

भामाशाह जयंती पर रौपे पौधे

पौधारोपण करते उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। सोमवार को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के महानगर अध्यक्ष के नेतृत्व में दानवीर भामाशाह की जयंती के उपलक्ष में पौधारोपण का कार्यक्रम डेंपीयर नगर स्थित पार्क में किया गया।

जगबीर चौधरी प्रधान ने कहा कि पेड़ लगाना पुण्य का काम है, सभी अपने माता–पिता भाई बहनों के नाम पर एक पेड़ जरूर लगाए। भामाशाह ने समाज सेवा- राष्ट्र सेवा प्रथम को महत्व दिया। अध्यक्ष अजय चतुर्वेदी ने कहा कि दानवीर भामाशाह का त्याग राष्ट्रभक्ति, दानशीलता, व्यापारिक समाज के प्रति अमूल्य योगदान है। उन्होंने भामाशाह की जयंती को व्यापारी कल्याण दिवस के रूप में घोषित किए जाने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया। इस मौके पर महामंत्री राजेश गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश अग्रवाल रिंग वाले, वरिष्ठ मंत्री नरेश शर्मा बब्बू, महानगर मीडिया प्रभारी-प्रवक्ता अखिलेश कुमार मिश्रा पिंटू, मंडी समिति के अध्यक्ष करणवीर चौधरी, भैंस बहोरा के अध्यक्ष सुमित चौधरी, विमल अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

ब्रज क्षेत्र को अंडा, मांस और मदिरा से मुक्त करो

दुखी होकर जल समाधि लेने पहुंची इंद्रलेखा देवी

समय रहते पुलिस ने समझा कर बाहर निकाला

यूनिक समय, वृंदावन। योगिराज श्रीकृष्ण को अपना पति मानने का दावा करने वाली इंद्रुलेखा देवी जल समाधि के लिए श्रंगार घाट स्थित यमुना पर पहुंच गई तो अफरा तफरी से मच गई। सूचना मिलते ही मौके पर आई पुलिस ने समझा कर उनको बाहर निकाला। यंमुना से बाहर निकली इंदुलेखा देवी ने डीएम के नाम ज्ञापन दिया। इसमें उन्होंने ब्रज क्षेत्र को मांस, मदिरा और अंडा मुक्त क्षेत्र घोषित करने की मांग की। पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि वह पिछले तीन वर्ष से वृंदावन वास कर रही हैं। कहती हैं उनको इस बात को लेकर दुख पहुंचा कि यहां पर अंडा, मास और मदिरा की बिक्री होती है।

मसानी इलाके में बेसुध मिली महिला

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोविंदनगर की मसानी चौकी पर बेसुध पड़ी महिला को मौके पर पहुंची थाने की महिला पुलिस ने उठाकर अस्पताल पहुंचाया। बाद में महिला को अपना घर भरतपुर को सौंप दिया। बताया गया है कि मसानी पुलिस चौकी इलाके में एक महिला को बेसुध पड़े देख कर लोगों की भीड़ लग गई। गोविंदनर थाने को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची थाने की महिला दरोगा ने महिला को हॉस्पिटल पहुंचाया। बताया गया कि महिला का नाम प्रियाशी है। महिला के बारे में अपना घर भरतपुर को पता लगा। इस पर अपना घर के सदस्य महिला को अपनी सुपुर्दगी में भरतपुर ले गए।

पाखी ने उत्तीर्ण की सीए की परीक्षा

यूनिक समय, राया (मथुरा)। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टेड अकाउंट ऑफ इंडिया की 18 जून को सीए फाइनल की परीक्षा में पाखी गर्ग ने पास होकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। पाखी गर्ग कसबा निवासी संजीव गर्ग माता वर्षा की पुत्री है। पाखी की इस उपलब्धि पर समाजसेवी भूपेश अग्रवाल ने उन्हें स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया।

किसानों ने मुआवजा वितरण की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

अपनी मांगों को लेकर थानाध्यक्ष नौहझील को ज्ञापन सौंपते किसान।

यूनिक समय,सुरीर। नौहझील क्षेत्र में सोमवार को किसान सभा के बैनर तले किसानों ने यमुना एक्सप्रेस-वे प्राधिकरण द्वारा अधिग्रहित भूमि के मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी के नाम थानाध्यक्ष नौहझील जगदम्बा सिंह को ज्ञापन सौंपा। किसान सभा के जिलाध्यक्ष सुनील कुमार,कोषाध्यक्ष दिवाकर सिंह के नेतृत्व में करीब 50 से 60 किसान नोएडा से आगरा निकास रैंप, बाजना नौहझील–गोमत रोड पर एकत्र हुए। किसानों ने अधिग्रहित भूमि का लंबित मुआवजा जल्दी दिलाने की मांग की।

जिला अस्पताल में इलाज के दौरान बीमार की मौत

यूनिक समय, मथुरा। जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराए गए व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई।

हनुमान मंदिर धौलीप्याऊके समीप से पुलिस ने एक व्यक्ति को इलाज के लिए जिला अस्पताल में10 जून को भर्ती कराया था। पुलिस के अनुसार उसका नाम रामप्रवेश (40) पुत्र शंकर लाल निवासी नारायनपुर जिला देवरिया है। राम प्रवेश की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मरने वाले के परिवार को भी इस बारे में सूचना दी है।

सिक्का बने मुख्य चुनाव अधिकारी

यूनिक समय, मथुरा। श्री अग्रवाल शिक्षा मंडल मथुरा द्वारा संचालित बीएसए कॉलेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, बंज चिकित्सा संस्थान, ब्रज चिकित्सा संस्थान स्कूल ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कॉलेज, चंपा अग्रवाल विद्या मंदिर जूनियर हाई स्कूल, एएसएम महाविद्यालय, रमनलाल शोरावाला नेत्र चिकित्सालय के त्रिवार्षिक निर्वाचन 2026- 2029 के लिए सुभाष चंद्र अग्रवाल सिक्का को मुख्य चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है। यह जानकारी श्री अग्रवाल शिक्षा मंडल के मंत्री किशोर कुमार अग्रवाल की ओर से दी गई है। उन्होंने बताया सदन में विचार- विमर्श के बाद प्रमोद गर्ग कसेरे ने सुभाष चंद्र अग्रवाल सिक्का को मुख्य चुनाव अधिकारी बनने का प्रस्ताव रखा, जिसे नगेंद्र मोहन मित्तल आदि ने समर्थन दिया। उन्होंने बताया कि राजीव अग्रवाल चौकसी, मनीष गर्ग को सहायक चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है।

गोली लगने से युवक घायल

यूनिक समय, वृंदावन। ग्राम राजपुर में बच्चों के विवाद में गोली चल गई। गोली चलने की सूचना पर पुलिस पहुंच गई। आरोपी फरार बताया जा रहा है। गोली लगने से एक युवक घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।